कार्तिक शुक्ल पक्ष -पूर्णिमा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 137 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
24 नवंबर 2026 मंगलवार

आज का मौसम
27.9 अधिकतम
9.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

भोपाल की सड़क पर किसान... गन्ने का भाव 600 रुपए प्रति क्विंटल कराने पर अड़े

खुले आसमान के नीचे बीती सर्द रात सीएम हाउस कूच करने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गन्ने का भाव 600 रुपए प्रति क्विंटल करने और साथ में बोनस देने की मांग को लेकर किसानों ने राजधानी भोपाल में डेरा डाल दिया है। अपनी मांगों पर अड़े ये किसान होशंगाबाद रोड स्थित वीर सावरकर सेतु के पास सर्विस रोड पर बैठकर लगातार बीती रात से प्रदर्शन कर रहे हैं। आगे बढ़ने से रोके जाने के बाद किसानों की पूरी रात कड़ाके की सर्दी में खुले आसमान के नीचे ही बीती, लेकिन वे अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर आज दोपहर बाद तक उनकी मांगों पर कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया, तो वे सभी एक साथ मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच करेंगे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदर्शन के दौरान किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल की गन्ना आयुक्त के साथ बैठक हुई है। किसान इस बातचीत के नतीजे का इंतजार कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक कोई ठोस आश्वासन या फैसला सामने नहीं आता, बाकी किसान धरना स्थल से नहीं हटेंगे। बातचीत से समाधान नहीं निकला तो आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, ताकि आम लोगों की आवाजाही प्रभावित न हो। प्रदर्शन कर रहे किसानों को वीर सावरकर सेतु के पास सर्विस रोड पर ही दोनों तरफ से बेरिकेडिंग करके रोका गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि शहर के सबसे व्यस्त रास्तों में से एक होशंगाबाद रोड पर लंबा जाम न लगे और वाहन चालकों को आने-जाने में किसी तरह की दिक्कत न उठानी पड़े।

मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच करने की चेतावनी को देखते हुए पुलिस ने अपनी तैयारी और ज्यादा बढ़ा दी है। सावरकर सेतु से आगे गणेश मंदिर के पास भी बेरिकेडिंग करने की तैयारी की जा रही है। किसी भी तरह की स्थिति से निपटने और किसानों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए मौके पर करीब 150 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं।

- आंदोलन खत्म कराने की कोशिश में जुटी सरकार
- होशंगाबाद रोड पर बेरिकेडिंग से ट्रैफिक पर असर



लागत बढ़ने से परेशान हैं किसान

आंदोलन कर रहे किसानों का कहना है कि नरसिंहपुर जिले में कई दिनों से गन्ने के दाम बढ़ाने को लेकर आंदोलन चल रहा था। इस दौरान शासन-प्रशासन से भी बातचीत हुई, लेकिन शुगर मिल संचालक 450 रुपए प्रति क्विंटल से ज्यादा भाव देने को तैयार नहीं हुए। इसी वजह से किसानों को भोपाल आकर प्रदर्शन करना पड़ा। उनकी मांग है कि शुगर मिलें 600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदें। खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन उन्हें उनकी फसल का सही दाम नहीं मिल पा रहा है। खाद, बीज, बिजली और मजदूरी महंगी होने के कारण गन्ना उगाने वाले किसानों के लिए घर चलाना मुश्किल होता जा रहा है। प्रशासन की नजरें किसानों के अल्टीमेटम पर टिकी हैं । बातचीत के जरिये कोई समाधान नहीं निकाला जाता है, तो मौके पर टकराव की स्थिति बन सकती है। फिलहाल पुलिस अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और शांति व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल

वीर सावरकर सेतु और सर्विस रोड परपुलिस की भारी बैरिकेडिंग के कारण इस हिस्से में यातायात बाधित है।आरआरएल तिराहा से मिसरोद की ओर में रोड पर पर जाम की स्थिति बनने के कारण सीधे आवागमन में परेशानी हो रही है। मंडीदीप और मिसरोद जाने के लिए आरआरएल तिराहे या बोर्ड ऑफिस चौराहे से आने वाले वाहन एम्स रोड, साकेत नगर और कटारा हिल्स के रास्ते जा सकते हैं। कोलार और बावड़िया कलां की ओर से एमपी नगर जाने के लिए बावड़िया कलां ओवरब्रिज और अरेरा कॉलोनी के अंदरूनी मार्गों का उपयोग किया जा सकता है।

एमपी में फिर कड़ाके की सर्दी...

भोपाल में दूसरी बार पारा 9 डिग्री से नीचे

» दमोह प्रदेश का दूसरा सबसे ठंडा शहर



भोपाल, दोपहर मेट्रो

बारिश और बादलों वाला दौर खत्म होने के बाद प्रदेश में कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। बीती रात भोपाल में न्यूनतम तापमान में 3.4 डिग्री की गिरावट हुई और यह 9 पर आ गया। इससे पहले तापमान 12.4 दर्ज किया था।

मौसम विभाग के अनुसार, दमोह में 9.2, रायसेन-रीवा में 11 डिग्री, गुना में 11.8 , दतिया, छिंदवाड़ा-श्योपुर में 12, बैतूल में 12.7 , नौगांव में 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ग्वालियर में 11.3 , उज्जैन में 11.5, जबलपुर में 12.6 और इंदौर में 13.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग की माने तो प्रदेश में बीती रात हर शहर में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। ऐसे में संकेत है कि अब ठंड और बढ़ेगी।

पहाड़ों पर बर्फबारी जारी हिमाचल में मणिमहेश झील जम गई

पहाड़ों पर बर्फ है, झीलें जम गई हैं। मैदानी राज्यों में रात का पारा 15 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। कश्मीर के छह शहरों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे रहा। शोपियां में माइनस 3.9 और श्रीनगर में माइनस 0.4 डिग्री दर्ज हुआ। उत्तराखंड के बद्रीनाथ में तापमान माइनस 11 डिग्री और गंगोत्री में माइनस 14 डिग्री रहा। हिमाचल के चंबा में मणिमहेश झील पर 4 से 5 इंच मोटी बर्फ की परत जम गई।

न्यूज विंडो

एशिया कप राइजिंग...भारत ने झटके दो विकेट, यूएई संभला



दोहा। एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट के मुकाबले में आज दोहा के मैदान पर भारत ए और यूएई के बीच मैच खेला जा रहा है। यूएई के कप्तान बासिल हमीद ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी है। हरप्रीत सिंह भाटिया और मुहम्मद शहदाद 20 रन के स्कोर पर आउट हो गए है। यूएई ने 16 ओवर में 2 विकेट पर 69 रन बना लिए हैं। अरशद खान ने अंश टंडन को आउट किया। हर्षित राणा ने आर्यांश शर्मा को पवेलियन भेजा।

बिहार-बंगाल में भूकंप, 5.4 रही तीव्रता, नेपाल रहा केंद्र

सुपौल। बिहार-बंगाल समेत पूर्वोत्तर भारत में आज सुबह भूकंप आया। इसका केंद्र नेपाल रहा। रिक्टेर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 रही। 2-3 सेकंड तक कंपन महसूस हुआ। भूकंप का असर चीन, भूटान और बांग्लादेश में भी रहा। अब तक किसी नुकसान की सूचना नहीं है। बिहार के सुपौल, समस्तीपुर, दरभंगा, भागलपुर समेत कई जिलों में सुबह 7:04 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। पलंग और पंखे हिलने लगे। लोग घरों से बाहर निकल आए। बंगाल, सिक्किम, सिलिगुड़ी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय कई लोग अपने रोजमर्रा के काम में लगे थे।

चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन फाइनल

पंजाब में भाजपा-अकाली साथ आए, मिलकर लड़ेंगे चुनाव

लुधियाना, एजेंसी

भाजपा और शिरोमणि अकाली दल 6 साल बाद फिर साथ आ गए हैं। पंजाब चुनाव से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन फाइनल हो गया। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल दिल्ली में भाजपा ऑफिस पहुंचे हैं। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके आज इसकी घोषणा की।

दोनों पार्टियां मिलकर 1997, 2002 और 2007 यानी 3 बार पंजाब में सरकार बना चुकी हैं। कृषि सुधार कानूनों को लेकर सितंबर 2020 में 24 साल बाद दोनों का गठबंधन टूट गया था।इसके बाद 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में पंजाब की 117 सीटों में से अकाली दल 3 और भाजपा महज 2 सीटें ही जीत सकी थी।



यूपी में कांग्रेस ने 125 सीटें मांगी, सपा 26 पर तैयार कहा- बाकी के लिए पहले उम्मीदवारों के नाम बताएं

लखनऊ/ नई दिल्ली। यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच शीट शेयरिंग में पेंच फंसता नजर आ रहा है। सपा ने कांग्रेस को यूपी की 403 विधानसभा में सिर्फ 26 की लिस्ट सौंपी है। सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा- बैठक में जो कहना था, वो कल कहा था। मैंने उनको 26 सीटें बता दी हैं, जहां से वो अपने उम्मीदवार उतार सकते हैं। आज फिर इस पर बात होगी। सपा नेता राजीव राय ने भी 26 सीटों की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि 26 सीटों पर हम चर्चा करेंगे। हमने उनको एक लिस्ट सौंप दी है। वहीं, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि सीटें मांगने और सहयोग में फर्क होता है। गठबंधन में मांगना नहीं होता है। आपसी सहयोग होता है। दरअसल, कांग्रेस ने सपा से यूपी में 125 सीटें मांगी हैं। लेकिन, सपा इतनी सीट देनें को तैयार नहीं है। फिलहाल, सीट शेयरिंग को लेकर दूसरी मीटिंग सांसद प्रमोद तिवारी के घर पर हो रही है।



स्कूल बस को ट्रक ने टक्कर मारी 4 बच्चों की गई जान, 25 घायल

कन्नौज, एजेंसी

यूपी के कन्नौज में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर स्कूल बस को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 4 बच्चों की मौत हो गई। 25 घायल हैं। बस में 50 बच्चों समेत 60 लोग सवार थे। बच्चे पिकनिक मनाकर आगरा से वापस कौशांबी लौट रहे थे।



कन्नौज के एसपी विनोद कुमार ने बताया कि बस कौशांबी के ओरिएंटल पब्लिक स्कूल की है। रात 12 बजे आगरा से रवाना हुई थी। आज सुबह 6 बजे बच्चों को टॉयलेट कराने के लिए बस एक्सप्रेसवे पर खड़ी थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने इसे टक्कर मार दी। बस का पिछला हिस्सा चकनाचूर हो गया। सीटें उखड़ गईं। बच्चे सीटों के बीच में फंस गए थे। हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में हुआ। वजह ट्रक ड्राइवर को झपकी आना बताया जा रहा है।

शेख हसीना का 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने का ऐलान

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने पहली बार अपनी वापसी के लिए तारीख बताई है। वे 16 दिसंबर को अपने देश लौटना चाहती हैं। उन्होंने इसके लिए तारिक रहमान सरकार से विमान भेजने की मांग की। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हसीना सरकारी एयरलाइन बिमान बांग्लादेश की फ्लाइट से दिल्ली से ढाका लौटना चाहती हैं। बांग्लादेश सरकार ने हसीना की वापसी की मांग पर कोई जवाब नहीं दिया है।



ईरान: साथियों को भी सजा मिली... 2 साल तक गाने और विदेश जाने पर रोक

सिंगर ने बिना हिजाब गाना गाया, 74 कोड़े पड़े

तेहरान, एजेंसी

ईरान की सिंगर और उनके साथियों को 74-74 कोड़े मारने की सजा दी गई है। जून 2026 में कुम शहर की क्रिमिनल कोर्ट ने उन्हें यह सजा सुनाई गई थी।

कोर्ट ने आर्टिस्ट पर अश्लील कंटेट पब्लिश करने और सार्वजनिक शालीनता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। कोर्ट ने सभी पर 2 साल तक देश छोड़ने और किसी भी आर्टिस्टिक एक्टिविटीज पर रोक लगाई गई है। यह मामला दिसंबर 2024 का है। उस समय 29 साल की परस्तू अहमदी ने बिना हिजाब पहने यूट्यूब पर एक लाइव कॉन्सर्ट किया था। उन्होंने ईरान का लोकप्रिय देशभक्ति गीत 'अज खूने जवानाने वतन' (मातृभूमि के युवाओं के खून से) गाया था। इस दौरान वह बिना हिजाब और स्लीवलेस ड्रेस में थीं। कॉन्सर्ट का वीडियो कुछ ही समय में वायरल हो गया। इस वीडियो को यूट्यूब पर 10 लाख से ज्यादा बार देखा गया।



परस्तू अहमदी के इस 27 मिनट के वीडियो में वह स्लीवलेस ड्रेस पहनकर चार पुरुष संगीतकारों के साथ गाना गाती नजर आ रही थीं। वीडियो के कैप्शन में उन्होंने इसे काल्पनिक कॉन्सर्ट बताया था। परस्तू के इस वीडियो को कई लोगों ने महिलाओं की अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक बताया। ईरानी अधिकारियों ने इसे कानून के खिलाफ माना।

आज का कार्टून



ड्रॉ के स्कोरबोर्ड में छिपी टीम इंडिया की बड़ी रणनीतिक हार

टीम इंडियाऔर न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 2027 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की चुनौती के लिहाज से यह बेहद अहम था। जीत की दहलीज तक पहुंचकर उसे हासिल न कर पाना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। सवाल सिर्फ नतीजे का नहीं, बल्कि उन रणनीतिक फैसलों का भी है, जिन्होंने भारतीय टीम को जीत से दूर कर दिया।



आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

किसी भी टेस्ट मैच की दिशा काफी हद तक टॉस के बाद चुनी गई एकादश से तय होने लगती है। इस मुकाबले में टीम चयन को लेकर बहस भी खूब हुई। हालांकि, सियासी रंग और दूसरी चर्चाओं से इतर क्रिकेट के नजरिये से देखें तो भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने असल चुनौती गेंदबाजी संयोजन को लेकर थी। बल्लेबाजी क्रम लगभग तय था, लेकिन गेंदबाजों के चयन में ऐसी चूक हुई, जिसका खामियाजा टीम इंडिया को भुगतना पड़ा। मेरे नजरिये में मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को एकादश से बाहर रखना टीम मैनेजमेंट का गंभीर रणनीतिक चूक वाला फैसला साबित हुआ। टेस्ट क्रिकेट में विपक्षी टीम के सभी 20 विकेट हासिल किए बिना जीत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसके बावजूद टीम मैनेजमेंट ने गेंदबाजी में अनुभव, विविधता और आक्रामकता के संतुलन को नजरअंदाज कर दिया। ऐसे गेंदबाजों को तरजीह मिली, जिनका किरदार विकेट निकालने से ज्यादा रन रोकने तक सीमित नजर आया। खासतौर पर जडेजा की जगह वाशिंगटन सुंदर को प्राथमिकता देने और सिराज को बाहर रखने का फैसला सवालों के घेरे में रहा। जडेजा महज विकेट लेने वाले फिरकी नहीं हैं। वह पिच की परिस्थितियों को पढ़ने, फुटमार्क का इस्तेमाल करने और लगातार सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। सुंदर उपयोगी बल्लेबाज जरूर हैं, लेकिन इस तरह के मुकाबले में जडेजा का अनुभव और गेंदबाजी की विविधता अधिक कारगर साबित हो सकती थी। न्यूजीलैंड की दोनों पारियों में मिडिल ओवर्स में भारतीय गेंदबाजी की कमजोरी साफ दिखाई दीं। पहली पारी में आखिरी पांच विकेट ने टीम इंडिया के गेंदबाजों को लंबे समय तक उलझाए रखा, जबकि दूसरी पारी में 120 ओवर के खेल में गेंदबाज सिर्फ पांच विकेट हासिल कर सके। यही वह मोड़ था, जहां टीम को विकेटों की सख्त जरूरत थी, लेकिन गेंदबाज अपेक्षित सफलता नहीं दिला सके। पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद पारी घोषित करने के समय पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

टीम मैनेजमेंट की असल कसौटी

टेस्ट क्रिकेट में समय का मैनेजमेंट भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना रन और विकेट। यदि टीम इंडिया कुछ समय पहले पारी घोषित करती तो न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में समेटने के लिए गेंदबाजों के पास अतिरिक्त समय होता। लेकिन टीम मैनेजमेंट के फैसले से ऐसा लगा कि टीम इंडिया या तो पारी से जीत की संभावना तलाश रही थी या फिर आखिरी पारी में बल्लेबाजी की चुनौती से बचना चाहती थी।वजह जो भी रही हो, टेस्ट क्रिकेट में परिस्थितियों का सही आकलन कर समय रहते निर्णायक फैसले लेना ही कप्तानी और टीम मैनेजमेंट की असल कसौटी होती है। यह मानने में संकोच नहीं होना चाहिए कि इस तरह के फैसलों ने टीम इंडिया की जीत की संभावनाओं को प्रभावित किया। भारतीय टीम मैनेजमेंट के लिए यह आत्ममंथन का मौका है, क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में हर हार स्कोरबोर्ड पर दर्ज नहीं होती। कई बार वह उन रणनीतिक फैसलों में छिपी होती है, जिनकी वजह से जीत हाथ आते-आते फिसल जाती है।

गुरुनानक देव का 557वां प्रकाश पर्व: हजारों श्रद्धालु गुर ग्रंथ साहिब के सामने टेकेंगे मत्था, खुशहाली की करेंगे अरदास

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाए गुरुद्वारे, दिनभर संगत और शब्द कीर्तन में डूबे रहे श्रद्धालु

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गुरुनानक देव का 557वां पर्व आज कार्तिक पूर्णिमा पर मनाया जा रहा है। इसके लिए गुरुद्वारों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। इस दौरान गुरुद्वारों में शब्द कीर्तन के साथ हजारों श्रद्धालु गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेकेंगे और खुशहाली के लिए अरदास करेंगे। प्रकाश पर्व के आयोजनों की शुरुआत हमीदिया रोड, पिपलानी व अरेरा कॉलोनी आदि गुरुद्वारों में अखंड पाठ के साथ हो चुकी है।

हमीदिया रोड गुरुद्वारा में प्रकाश पर्व का मुख्य आयोजन होगा। सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी कल गुरु नानक जयंती (प्रकाश पर्व) की पूर्व संध्या पर अरेरा कॉलोनी स्थित गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहब के समक्ष माथा टेका। उपस्थित जन को गुरुनानक जयंती की बधाई दी। प्रदेशवासियों को भी बधाई दी।



डॉ. बिंद्रा ने समिति की ओर सीएम को ओढ़ाई शॉल

मुख्यमंत्री का गुरुद्वारा समिति की ओर से डॉ. पीएस बिद्रा ने शाल उढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संगत के साथ बैठकर कीर्तन का आनंद लिया।

गुरु प्रकाश पर्व पर हमीदिया गुरुद्वारे में सजेगा कीर्तन दरबार

गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आज हमीदिया रोड स्थित गुरुद्वारा नानकसर में मुख्य समारोह मनाया गया। सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक कीर्तन दरबार सजा। इसमें जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर करीब 15 हजार लोगों के लिए गुरु का लंगर तैयार किया है। आयोजन की खास बात यह है कि लंगर में डिस्पोजल प्लेट और गिलास का इस्तेमाल नहीं होगा।

स्टील की 10 हजार थालियों में छकेंगे लंगर

श्रद्धालुओं को भोजन परोसने के लिए 10 हजार से अधिक स्टील की थालियों की व्यवस्था की गई है। इस्तेमाल के बाद इन्हें धोकर दोबारा उपयोग किया जाएगा। लंगर के लिए 13 क्विंटल आटा, 400 किलो दाल, 20 क्विंटल सब्जियां और 500 लीटर दूध की व्यवस्था की गई है। सेवादार भोजन बनाने, परोसने और बर्तन साफ करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। इस पहल के जरिए सेवा, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

न्यूज विंडो

दूध लेने गए युवक पर हमला, चाकू की नोक पर सोने की चेन लूटी

भोपाल। मामूली विवाद में युवक ने चाकू लेकर हमला कर दिया। आरोपी ने पहले किशन से मारपीट की और बीच-बचाव करने पर छोटे भाई को भी पीटा। आरोप है कि युवक भाई के गले से सोने की चेन लूटकर मौके से फरार हो गया। हनन पुलिस के मुताबिक, बाग पिपलोनी सड़क के गांधी नगर खेली रहते हैं। देर रात शिवम ने कहा कि शिवम तोमर चाचा के साथ दूध लेने हरसिखोड़ा गए। बाग के पास था। सुनील उर्फ पूजा रघुवंशी और साथी-सतीश थे। विरोध पर चाकू लेकर मारपीट की। छोटे भाई विपुल की चेन छीन ले गया।

भाई के घर आया युवक फंदे पर लटका मिला, मौत

भोपाल। भाई के घर घूमने आए बैरागढ़ निवासी 22 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना सरोसिया थाना क्षेत्र के नारायण नगर की है। युवक का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। भाई घर से बाहर था। पुलिस के मुताबिक, आदर्श बघेल हैदराबाद में डिलीवरी बॉय का काम करता था। कुछ दिन पहले घूमने आया था और नारायण नगर में रहने वाले भाई के घर रहता था। भाई किसी काम से बाहर गया था। आने पर आदर्श को कमरे में फंदे पर लटका देख उसने होश उड़ गए। पुलिस पहुंची और शव को पीएम के लिए भेजा।

खेत में सिंचाई करते समय लगा करंट और किसान की मौके पर ही मौत

भोपाल। रबी हल्के में बिजली के करंट से किसान की मौत हो गई। बिलकिसगंज थाना के गोपिया कमखेड़ी गांव में रविवार दोपहर खेत में सिंचाई करने पहुंचे 30 वर्षीय किसान बड़े मियां की करंट से मौत हो गई। किसान खेत में पानी छोड़ने पहुंचा था, इसी दौरान दोपहर 2:45 बजे बिजली के तार से उसे करंट लग गया। परिजन तत्काल बैरसिया अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

जुए की फड़ से 12 पकड़े, 36,780 रुपए किए जब्त

भोपाल। स्टेशन बजरिया पुलिस ने चांदबड़ के ढांचा भवन स्थित एक खंडाहनुमा मकान में जुए के अड्डे से 12 लोगों को पकड़ा है। मौके से 36 हजार 780 नकद और ताश की 52 पत्तियां जब्त की। इसमें मकान मालिक निर्भय शर्मा, रामदयाल अहिरवार, सूचीबद्ध गुंडा अभिषेक अहिरवार, मयंक गुप्ता, संजय इंदोलिया, गौरव कोष्टावथ, राम सिंह, पवन, राजू निर्मल, गोलू राय, जगन्नाथ सिंह और परमानंद ठाकुर शामिल हैं।

इग्नू की परीक्षाएं कल से, शामिल होंगे 5114 विद्यार्थी

भोपाल। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षाएं कल से शुरू होने जा रही है। परीक्षाएं 14 जनवरी तक चलेंगी। दो पालियों में होने वाली परीक्षाओं के लिए क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत 18 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। यह केंद्रों पर 5,114 विद्यार्थी शामिल होंगे। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उमेश चंद्र पांडेय ने बताया कि एमबीएम और बेरियर कॉलेज, इंदौर के तीन केंद्रों समेत उज्जैन, ग्वालियर, नर्मदापुरम, हरदा, झाबुआ, शिवपुरी, महू व खंडवा में केंद्र बनाए गए हैं। बंदियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। उनके लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम में भी परीक्षा केंद्र हैं।

प्रशासनिक भवनों और नए प्रोजेक्ट्स के लिए पहाड़ी के 90 फीसदी हिस्से पर निर्माण

कई दशक से अंधाधुंध कटाई, अरेरा पहाड़ी कांक्रीट का जंगल बन गई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर की पहाड़ियां खत्म होती जा रही हैं। पेड़ और पहाड़ों का सीना चीरकर चारों ओर जगह-जगह कॉन्क्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं। इसी का नतीजा रहा कि राजधानी का पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम अस्थिर हो गया है। पूरे प्रदेश का प्रशासनिक संचालन और संरक्षण जिस पहाड़ी से बीते 8 दशकों से हो रहा है, वह अरेरा पहाड़ी भी अपना अस्तित्व पूरी तरह खो चुकी है। पहाड़ी का मुख्य हिस्सा एक वर्ग किमी में फैला हुआ है, लेकिन इसमें से 95 फीसदी हिस्सा खुद उखड़ और टूट चुका है। कुछ दशकों तक यह पहाड़ी शहर की आबोहवा को शुद्ध रखने वाला प्राकृतिक कवच होती थी। वह आज कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुकी है। मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन जैसी विशाल इमारतों के बाद भी पहाड़ी का सीना चीरने का सिलसिला थमा नहीं है। ताजा हालात यह हैं कि विकास के नाम पर यहां लगातार पेड़ों की बलि दी जा रही है और भारी-भरकम मशीनों से पहाड़ को तेजी से नेस्तनाबूद किया जा रहा है। जेल रोड से भीम नगर तक जारी है। चौंकाने वाली बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण का जिम्मा संभालने वाले संस्थान भी इस पहाड़ी को बचाने में नाकाम रहे।



जेल रोड क्षेत्र में आए दिन हो रही खुदाई और काट जा रहे पेड़

जेल रोड पर दो एकड़ के भू-भाग में बने एनजीटी के नए कार्यालय के लिए भी पहाड़ी की कटाई कर दी गई। इसके अलावा जेल रोड क्षेत्र में आए दिन खुदाई और तोड़फोड़ आम बात हो गई है। जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में यह संकट और गहरा सकता है। चूंकि डीएफओ कार्यालय के पास बड़े भू-भाग को खोदकर नई इमारत बनाने की तैयारी है। इतना ही नहीं, भीम नगर बस्ती को शिफ्ट कर वहां मल्टीस्टोरी इमारतें खड़ी करने की योजना बनाई जा रही है। पहाड़ी के लगातार क्षरण से शहर का तापमान बढ़ रहा है और भूजल स्तर पर भी सीधा असर पड़ रहा है।

5 साल में यूं बढ़ता-घटता रहा तापमान

शहर में 5 साल में नौतपा के पहले दिन तापमान में काफी उतार-चढ़ाव आया है। 2022 में अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री था। 2023 में 38.8 डिग्री के साथ यह राहतभरा रहा। लेकिन 2024 में पारा 42.9 हो गया। 2025 में फिर कमी आई और पारा 34.8 डिग्री रहा। लेकिन इस साल फिर से पारा 43.6 डिग्री पहुंच गया।

यहां काट दिए 412 पेड़ गायब हो गई पूरी हरियाली

अरेरा हिल्स पर मौजूदा दौर में भी कई बड़े निर्माण कार्य जारी हैं। अरेरा थाने की ओर 10 एकड़ जमीन की खुदाई कर नए विधायक विश्राम गृह बनाए जा रहे हैं। इसके लिए इसी साल पीडब्ल्यूडी ने 244 पेड़ काट दिए। इनमें कई 100-100 साल पुराने विशाल वृक्ष भी थे। विधानसभा के गेट नंबर-6 के पास पुरानी इमारत को तोड़ने के साथ ही 200 फीट तक पहाड़ी भी काट दी। इसके दबाव से बाहरी दीवार का बड़ा हिस्सा भी ढह गया था। वहीं, जिला कोर्ट के सामने और बीएसएनएल कार्यालय के पास स्थित घनी हरियाली भी अब इतिहास बनती जा रही है। यहां मप्र राजस्व आयुक्त कार्यालय के नए भवन के लिए 5 एकड़ जमीनसमतल करने के नाम पर 20 दिनों तक भारी मशीनें चलाई गईं। इसकी भेंट 412 पेड़ चढ़ गए।

वीमंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026

आज ड्रैगन से भिड़ेंगी भारत की बेटियां, चीन के कड़े डिफेंस को भेजने की चुनौती

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी का रोमांच चरम पर है। नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में आज शाम 7 बजे भारत और चीन की टीमें आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही भारतीय टीम 3 मैचों में 9 अंक (+11 गोल अंतर) के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है और सेमीफाइनल का टिकट पक्का कर चुकी है। भारत ने मलेशिया और दक्षिण कोरिया (2-1) को हराने के बाद थाईलैंड के खिलाफ 7-0 की बड़ी जीत से अपने इरादे साफ कर दिए हैं। आज का मुकाबला भारत के लिए शीर्ष स्थान पर पकड़ मजबूत करने का अवसर है-जीत मिलने पर भारत 12 अंकों के साथ नंबर-1 की कुर्सी पर और पुख्ता हो जाएगा, जिससे सेमीफाइनल में उसे अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिल सकता है। वहीं, 4 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद चीन के लिए यह मैच सेमीफाइनल की राह आसान करने के लिहाज से अहम है। चीन का संगठित और दमदार डिफेंस भारतीय आक्रमण की कड़ी परीक्षा लेगा। ऐसे में गोल करने और मुकाबले का रुख मोड़ने का



वेई किक्सियाओ, कप्तान, चीन



सलीमा टेटे, कप्तान, भारतीय टीम

कल आखिरी लीग मैच से चीन को हराना जरूरी

कल 25 नवंबर को जापान के खिलाफ आखिरी लीग मैच से पहले आज चीन को मात देकर भारत अपनी लय को और धार देना चाहेगा, ताकि 28 नवंबर को होने वाले खिताबी मुकाबले तक आत्मविश्वास का ग्राफ ऊंचा बना रहे। हालांकि चीन के लिए भी करो या मरो की स्थिति है। चूंकि अंक तालिका में चीन के पास चार ही अंक है।

सबसे बड़ा दारोमदार फॉरवर्ड संगीता कुमारी और अनुभवी स्ट्राइकर नवनीत कौर के कंधों पर रहेगा, जबकि पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के लिए दीपिका पर खास निगाहें होंगी। विंग्स और काउंटर-अटैक पर लालरेमसियामी व ब्यूटी डुंगडुंग की तेजी भी निर्णायक साबित हो सकती है।

राजधानी के 11 थानों में साइबर ठगी के 14 मामले किए गए दर्ज

कभी टूरिस्ट एजेंट तो कभी सलाहकार बनकर ठगी शहर में 24 घंटे में 21 लाख रुपए की लगाई चपत

भोपाल। दोपहर मेट्रो

विदेश घूमने के लिए टूर पैकेज बुक कराना हो या डॉक्टर से परामर्श लेना, साइबर जालसाज अब हर जरूरत को ठगी का जरिया बना रहे हैं। कभी पर्यटन एजेंसी का प्रतिनिधि बनकर तो कभी डॉक्टर का सलाहकार और बैंककर्मी बनकर लोगों को जाल में फंसाया जा रहा है। राजधानी में पिछले 24 घंटे के दौरान साइबर ठगी के 14 मामले सामने आए हैं। शहर के 11 थानों में दर्ज इन प्रकरणों में लोगों के साथ कुल 20 लाख 74 हजार 960 रुपए की धोखाधड़ी हुई है।

ठगों ने भेजी लिंक और क्लिक करते ही साफ हो गया खाता

पुलिस की मानें तो मिसरोद थाना क्षेत्र की रुचि लाइफ स्केप कॉलोनी निवासी श्रीराम नाकोजा ने पिछले महीने श्रीलंका घूमने के लिए ऑनलाइन बुकिंग की थी। जालसाजों ने पर्यटन एजेंसी का प्रतिनिधि बनकर उनसे 7 लाख 74 हजार 200 रुपए ऐंठ लिए। पवन यादव से बबलू मालवीय ने 94 हजार 650 रुपए की ठगी हो गई। शाहपुरा में शर्मिली वासु और बृजेंद्र अग्रवाल से 1.95 लाख ठगे गए। श्यामला हिल्स निवासी मोहम्मद शब्बीर ने गूगल पर बंसल अस्पताल का संपर्क नंबर तलाशा था। जालसाज ने डॉक्टर का सलाहकार बताकर लिंक भेजी और 32 हजार 38 रुपए निकल गए। आईएचएम कॉलोनी निवासी विवेक दुबे के क्रेडिट कार्ड से जालसाजों ने 3 लाख 68 हजार 247 रुपए निकाल लिए। छोला मंदिर क्षेत्र के सुरेश कुमार साहू से फोन-पे से 1 लाख 98 हजार 765 रुपए की ठगी हो गई। कटारा हिल्स की राधिका गुर्जर के खाते से भी 67 हजार 500 रुपए और अरुण कुमार शर्मा के खाते से एक लाख रुपए निकल गए।

भोपाल उत्सव मेले का उद्घाटन समारोह

निःस्वार्थ जनसेवा के लिए सुनील गर्ग का किया सम्मान



भोपाल। टीटी नगर के दशहरा मैदान में भोपाल उत्सव मेले के उद्घाटन समारोह में समग्र अग्रवाल समाज के मुख्य संयोजक एवं समाजसेवी सुनील गर्ग को जनसेवा के क्षेत्र में उनके निःस्वार्थ योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान होरीलाल गर्ग, मंजू गुप्ता, मधुर अग्रवाल और शरद अग्रवाल मौजूद थे। गर्ग ने सम्मान को समाजहित में कार्य करने वाले सभी कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को समर्पित किया। समग्र अग्रवाल समाज जनसेवा के साथ सांस्कृतिक परंपराओं को भी बढ़ावा दे रहा है। अग्रसेन जयंती की शोभायात्रा में गर्ग ने मुख्य संयोजक की भूमिका निभाई थी।

मेट्रो एंकर | राजधानी में मालवी खानपान और संस्कृति का अनूठा संगम

'यो अपनो मालवो'...सीएम बोले-मालवा का आनंद ही अलग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आंचलिक बोलियों का संरक्षण और संवर्धन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए आवश्यक है। मालवा की बोली, व्यवहार और पकवानों का अपना अलग ही आनंद है। मालवा की माटी में सौंधापन और आत्मीयता है। यहां की संस्कृति की हर काल में अपनी विशिष्ट पहचान रही है। मालवी भाषा का अंदाज भी निराला है।

इसे समझने वाला ही इसके भाव और अर्थ को सही मायने में समझ सकता है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कल शाम रवींद्र भवन में कहीं। वे तीन दिवसीय मालवा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को मालवा अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्मारिका 'यो अपनो मालवो' का विमोचन भी किया। सीएम ने कहा, उज्जैन कालगणना का केंद्र और महापुरुषों की धरती रही है। मालवा का इतिहास, धार्मिक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत विशिष्ट स्थान रखती हैं। प्रख्यात पुरातत्वविद, इतिहासकार पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर के कार्यों को समर्पित मॉडर्न लैब का विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद में शुभारंभ भी गौरव का विषय है।



मालवा उत्सव के आगाज पर उज्जैन कीऋतु शर्मा और उनकी टीम ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर लोक परंपराओं को भोपाल की धरती पर जीवंत कर दिया।

मालवा सिर्फ भौगोलिक क्षेत्र नहीं, विशिष्ट सभ्यता-संस्कृति की पहचान

मालवा विकास उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने बताया कि मालवा सिर्फ भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपनी विशिष्ट सभ्यता, संस्कृति, भाषा और आत्मीयता के कारण देश में अलग पहचान रखता है। महोत्सव के जरिए मालवा की गौरवशाली परंपराओं को भोपाल के मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है। समिति की महासचिव रोमा मल्होत्रा ने बताया कि 25 नवंबर तक चलने वाले मालवा के सांस्कृतिक वैभव, पारंपरिक खानपान, कला और लोकजीवन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समारोह में महर्षि शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश, वीर भारत न्यास के ट्रस्टी सचिव श्रीराम तिवारी, साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दुबे व संस्था विशाला, उज्जैन के अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाह विशेष अतिथि थे।

हबीबगंज में देर रात पार्टी के दौरान वारदात

रेस्टोरेंट में चाकूबाजी, बीच-बचाव करने गए कर्मचारी की आंख में झोंक दिया मिर्च पावडर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पार्टी के माहौल में शुरू हुआ विवाद चाकूबाजी तक पहुंच गया। हबीबगंज में एक मॉल के मायबार रेस्टोरेंट में दो गुटों के बीच झगड़े को शांत कराने की कोशिश युवक को भारी पड़ गई। आरोपियों ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंक कर चाकू से हमला कर दिया। बाउंसर भी काबू नहीं पा सके। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की, लेकिन तब तक दोनों हमलावर भाग गए। रानी कमलापति स्टेशन जीआरपी पुलिस के मुताबिक, घायल विकास तिवारी निजी कंपनी में मार्केटिंग का काम करते हैं। रात 10.30 बजे मायबार रेस्टोरेंट ने ऑर्डर किया और पार्टी में डांस कर रहे थे। इसी दौरान दो गुटों में विवाद हुआ। विकास बीच-बचाव में पहुंचे तो आरोपियों अरशान अली और राम को लगा कि वह दूसरे पक्ष का साथ दे रहे हैं।

पुलिस को चकमा देकर दोनों आरोपी हो गए फरार

विवाद बढ़ने से रोकने का प्रयास करने के दौरान ही दोनों ने विकास की आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और चाकू से हमला कर घायल कर दिया। दर्द से चीख रहे विकास की आवाज सुनकर रेस्टोरेंट प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंची और मौजूद लोगों से पूछताछ की। पुलिस को पता चला कि हमले में अरशान अली और राम शामिल है। लेकिन जब तक पुलिस के हाथ दोनों आरोपियों तक पहुंचते, दोनों फरार होने में कामयाब हो चुके थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

सिंहस्थ-2028 : 13 हजार सफाईकर्मी और 11,500 होमगार्ड संभालेंगे व्यवस्था

2802 करोड़ के 33 कामों को मंजूरी, 2027 के अंत तक पूरे किए जाएंगे सभी निर्माण कार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। सिंहस्थ-2028 को भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया है कि सिंहस्थ के आयोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। निर्माणाधीन और स्वीकृत सभी कार्य हर हाल में वर्ष 2027 के अंत तक पूरे किए जाएं, ताकि आयोजन से पहले व्यवस्थाओं का परीक्षण और जरूरी सुधार किया जा सके। मुख्यमंत्री ने क्षिप्रा नदी के सभी घाटों तक पक्के पहुंच मार्ग बनाने, बिजली, स्वच्छता, सुरक्षा, परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। इस बार सिंहस्थ का आयोजन क्लीन एंड ग्रीन थीम पर किया जाएगा। तैयारियों की निगरानी के लिए अब मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक हर महीने होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में सिंहस्थ-2028 की व्यवस्थाओं के लिए गठित मंत्रिमंडलीय समिति की सातवीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में पर्यवेक्षण समिति की नौवीं और दसवीं बैठकों में अनुशंसित 2801.75 करोड़ रुपये की लागत वाले 33 प्रस्तावित कार्यों को मंजूरी दी गई। इनमें 16 कार्य 1457.04 करोड़ और 17 कार्य 1344.71 करोड़ रुपये के हैं। इन कार्यों का उद्देश्य करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।



बिजली व्यवस्था पर 501 करोड़ से अधिक खर्च

सिंहस्थ के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 387.99 करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनाई गई है। इसके तहत पांच अस्थायी विद्युत उपकेंद्र, 45 किलोमीटर 33 केवी लाइन, 200 किलोमीटर 11 केवी लाइन और 550 किलोमीटर एलटी लाइन बिछाई जाएगी। लगभग एक हजार वितरण ट्रांसफॉर्मर संरचनाएं तैयार होंगी। साधु-संतों के शिविरों और संस्थानों को 4500 बिजली कनेक्शन दिए जाएंगे। आपात स्थिति में रोशनी बनाए रखने के लिए 250 जनरेटर और 250 मोबाइल लाइट टावर लगाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त उज्जैन शहर और मेला क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, हाईमास्ट और सजावटी प्रकाश व्यवस्था पर 113.03 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

2584 हेक्टेयर में स्वच्छता सुविधाएं

स्वच्छता व्यवस्था के लिए 393.53 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। लगभग 2584 हेक्टेयर में फैले मेला क्षेत्र में 8169 स्वच्छता सेट बनाए जाएंगे। इनमें करीब 1.19 लाख शौचालय, 23,200 स्नानघर और 31,600 मूत्रालय होंगे। सार्वजनिक शौचालय लगभग हर 500 मीटर पर उपलब्ध रहेंगे। घाटों पर महिलाओं के लिए हर 200 मीटर पर चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। इसके अलावा कचरा संग्रहण, परिवहन और सफाई पर 153.73 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रमुख स्नान पर्वों पर प्रतिदिन करीब 2500 टन कचरा निकलने का अनुमान है।

क्षिप्रा की शुद्धता से लेकर स्वास्थ्य तक इंतजाम

क्षिप्रा नदी के जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए 12.33 करोड़ रुपये से जैविक उपचार और वास्तविक समय में जल गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 27.78 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसमें दवाइयां, चिकित्सा उपकरण, नियंत्रण कक्ष और प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शामिल हैं। अग्निशमन सेवाओं पर 18.23 करोड़ तथा होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर 155.08 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। सिंहस्थ-2016 की तुलना में इस बार होमगार्ड की संख्या 8 हजार से बढ़ाकर 11,500 और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की संख्या 4 हजार से बढ़ाकर 10 हजार करने की तैयारी है।

एमपी में सड़क निर्माण में लापरवाही...

लागत घटाने वाली FDR तकनीक से नगरीय निकायों की दूरी, अब भी पुरानी सड़कों पर बिछा रहे परतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में हर साल वर्षा के समय पानी घर में घुसने की समस्या सामने आती है। इसका बड़ा कारण पुरानी सड़क को उखाड़े बिना उसके ऊपर नई परतें बिछाना है। इससे सड़कों की ऊंचाई बढ़ती जाती है। स्थिति यह हो गई है कि कई कालोनियों में मकान सड़क की सतह से नीचे हो गए हैं। घर के अंदर से पानी की निकासी, बाहर से ड्रेन आउट करना और उस लेबर को मैच करने में कठिनाई होती है।

इस समस्या के समाधान के लिए कालोनियों में फुल डेप्थ रिक्लेमेशन (एफडीआर) तकनीक के तहत ही नई सड़कें बनाने में नगरीय निकायों की रुचि नहीं है। इसका दुष्परिणाम यह भी हो रहा है कि सड़क की मोटी परत बिछने से सीवरेज लाइन डालने में उतनी ही खोदाई करनी पड़ती है, जिससे इसकी लागत भी बढ़ जाती है। बोझ सरकारी धन पर पड़ता है, लेकिन आर्थिक तंगी से जूझ रहीं निकायों को इसकी कोई चिंता नहीं है।

बता दें कि नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने प्रत्येक नगर निगम और संभाग स्तर के अधिकारियों को एफडीआर तकनीक से सड़कें बनाने का लक्ष्य दिया था। इसमें करना यह था कि पुरानी सड़कों को उखाड़कर इससे निकली सामग्री (डामर, कंक्रीट और मिट्टी) को 100 प्रतिशत रिसाइकिल करके नई सड़क बनाई जानी थी। इससे लागत कम हो जाती है और मजबूती भी रहती, लेकिन इस तकनीक पर अमल हो ही नहीं पा रहा है। विशेषज्ञ इसे बहुत बेहतर मानते हैं, फिर भी निकाय प्रशासन इसमें रुचि नहीं ले रहे हैं।



उप्र में 5600 किमी की 625 ग्रामीण सड़कें बनाई

एफडीआर तकनीक से हाइवे, शहरी सड़कें, ग्रामीण सड़कें और एयरपोर्ट रनवे भी बनाए जा रहे हैं। हैदराबाद का एक रनवे एफडीआर तकनीक से अपग्रेड किया गया है। सबसे अधिक काम उत्तर प्रदेश में हुआ है। यहां एफडीआर तकनीक से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में 5600 किलोमीटर की 625 सड़कें बनाई गई हैं। अब तक इस तकनीक के उपयोग से निर्माण लागत में लगभग 20 प्रतिशत की बचत हुई है।

- प्रत्येक नगर निगमों और संभाग स्तर अधिकारियों को एफडीआर तकनीक से सड़कें बनाने का लक्ष्य दिया है। वर्तमान में इसकी क्या स्थिति है, पता करके पुनः नगर निगमों को निर्देश देंगे।
  -संकेत भोंडवे, आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास मप्र
- एफडीआर तकनीक शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जहां यातायात का कम दबाव होता है। निकायों के अधिकारियों और सड़क बनाने वाले ठेकेदारों को पहले इस तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिसे वे समझे और फिर बेहतर काम कर सके।
  -प्रभाकांत कटारे, सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता, नगरीय विकास

जनगणना-2027 की तैयारी तेज

10 जनवरी से लोग खुद भर सकेंगे अपनी जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश की जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर मध्यप्रदेश में प्रशासनिक कवायद तेज हो गई है। इस चरण में नागरिकों को स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। इसके लिए 10 जनवरी 2027 से स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू होगी, जबकि 25 जनवरी से प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना का काम करेंगे। पूरी प्रक्रिया समय-सीमा में और व्यवस्थित ढंग से पूरी कराने के लिए 25 नवंबर को भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण सम्मेलन सुबह 10:30 बजे आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। इसमें प्रदेश के सभी संभागायुक्त, जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त शामिल होंगे। इसके अलावा प्रत्येक जिले से जनगणना कार्य से जुड़े अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), जिला योजना अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को भी बुलाया गया है। दूरस्थ जिलों के अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से सम्मेलन में शामिल होंगे। जनगणना के दूसरे चरण में सबसे पहले 10 जनवरी से स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके तहत नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 25 जनवरी से प्रगणक घर-घर पहुंचकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आंकड़े एकत्र करेंगे। इस पूरी कवायद में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी, ताकि कोई भी क्षेत्र या परिवार जनगणना से छूटे नहीं।

मैदानी अमले की जिम्मेदारी और कार्यप्रणाली पर जोर

राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन में जनगणना के दूसरे चरण की कार्यप्रणाली, प्रशासनिक तैयारियों और मैदानी स्तर पर अधिकारियों के दायित्वों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा कराने, विभागीय समन्वय और निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। सरकार का उद्देश्य जनगणना के इस महत्वपूर्ण कार्य को पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराना है।

लापरवाही पर इंजीनियरों को नोटिस -कंसल्टेंट पर भी कार्रवाई

सात जिलों में सड़कों की गुणवत्ता की खुली पोल, ठेकेदार होंगे ब्लैकलिस्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सड़क और पुल निर्माण की गुणवत्ता को लेकर लोक निर्माण विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। प्रदेश के सात जिलों में 35 निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण में कई जगह निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं मिली। गड़बड़ी सामने आने के बाद विभाग ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने और लापरवाह ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कुल 22 निर्माण कार्यों में आवश्यक सुधार कराने को कहा गया है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव ने निरीक्षण प्रतिवेदनों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गुणवत्ता सुधार कार्ययोजना के तहत 20 नवंबर को मुख्य अभियंताओं के नेतृत्व में सात निरीक्षण दल गठित किए गए थे। इन दलों ने विदिशा, छिंदवाड़ा, मुरैना, बुरहानपुर, मैहर, मंदसौर और दमोह में यादृच्छिक आधार पर निर्माण कार्यों की जांच की। निरीक्षण में लोक निर्माण विभाग की सड़क एवं पुल शाखा के 21, परियोजना क्रियान्वयन इकाई के पांच, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के छह, भवन विकास निगम के दो और राष्ट्रीय राजमार्ग का एक कार्य शामिल था। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए यादव ने 22 कार्यों में जरूरी सुधार कराने और निरीक्षण दलों की अनुशंसाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



मुरैना-बुरहानपुर में ठेकेदारों पर गिरेगी गाज

मुरैना जिले के 3.50 किलोमीटर लंबे खेड़ा मेवदा-मीरापुर मार्ग और बुरहानपुर के 1.50 किलोमीटर लंबे बोहरदा-मोहनासंगम मार्ग का निर्माण संतोषजनक नहीं पाया गया। इन मामलों में संबंधित कार्यपालन यंत्री, अनुविभागीय अधिकारी और उपयंत्रियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही दोनों कार्यों के ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई शुरू करने को कहा गया है। बुरहानपुर में निंबोला-मगरूल-थाथरबाल्डी-उतांबी-बोरी बुजुर्ग मार्ग के मजबूतीकरण और नाचनखेड़ा-अडगांव तथा दरियापुर-जशोंधी (महाराष्ट्र सीमा) मार्गों की स्थिति भी ठीक नहीं मिली। इनके ठेकेदारों पर भी कार्रवाई होगी। दमोह में निर्माणाधीन 73.265 किलोमीटर लंबे दमोह-हटा-गैसाबाद-सिमरिया मार्ग के मामले में संबंधित सलाहकार के विरुद्ध कार्रवाई और ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

विदिशा में बेहतर काम की सराहना

निरीक्षण के दौरान विदिशा जिले का झारखेड़ा-बेरसिया-ढोलखेड़ी मार्ग गुणवत्तापूर्ण पाया गया। इसके लिए तत्कालीन कार्यपालन यंत्री दीपक असाटी के कार्य की सराहना की गई। विभाग ने स्पष्ट किया कि बेहतर निर्माण करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, वहीं लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई होगी।

शिकायतों के निराकरण में भी देरी नहीं चलेगी

समीक्षा बैठक में लोकपथ ऐप पर मिलने वाली शिकायतों का चार दिन के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर की गई कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ताओं को देने और उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य अभियंता और अधीक्षण यंत्री स्तर पर शिकायतों की नियमित समीक्षा होगी। इसके अलावा दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल और स्थायी सुधार कार्य समय-सीमा में पूरे करने के निर्देश दिए गए। एमपीआरडीसी की आगामी परियोजनाओं में यात्रियों की सुविधाओं और गौशालाओं के निर्माण के लिए सड़क किनारे उपयुक्त भूमि चिह्नित करने को भी कहा गया है।



राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने लोकभवन में आए भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश के पदाधिकारियों को सहयोग राशि प्रदान की। राज्यपाल को भारत स्काउट एंड गाइड की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने दिए सख्त निर्देश

नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार, तस्करों से लेकर आर्थिक नेटवर्क तक होगी कार्रवाई

हॉटस्पॉट, तस्करी मार्ग और अवैध संपत्तियों पर पुलिस की नजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस अब केवल गिरफ्तारी और जब्ती तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि तस्करी के पूरे तंत्र को ध्वस्त करने की रणनीति पर काम करेगी। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने संगठित तस्कर गिरोहों, उनके आर्थिक स्रोतों, आपूर्ति श्रृंखला और अंतरराज्यीय नेटवर्क पर एक साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए प्रदेशभर में नशे के कारोबार से जुड़े संवेदनशील इलाकों की पहचान, तस्करी मार्गों की निगरानी और अवैध संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया तेज की जाएगी।



डीजीपी मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय नारकोटिक्स समन्वय बैठक में अधिकारियों को लक्ष्य आधारित और समन्वित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को आपसी तालमेल के साथ काम करना होगा।

पांच साल के बड़े मामलों की खुलेगी फाइल

बैठक में पिछले पांच वर्षों के दौरान मादक पदार्थों की बड़ी जब्ती और महत्वपूर्ण एनडीपीएस मामलों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अब तस्करी के तौर-तरीकों, गिरोहों की कार्यप्रणाली और उनके नेटवर्क का विश्लेषण करेगी। प्रमुख तस्करों और संगठित गिरोहों से जुड़े प्रत्येक सदस्य की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। फरार आरोपियों और अपराधों में शामिल विदेशी नागरिकों की तलाश और गिरफ्तारी के लिए भी विशेष कार्ययोजना तैयार होगी।

प्रदेश में सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों को मिलेगा थर्ड प्रमोशन

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थानों में काम कर रहे शिक्षकों को थर्ड प्रमोशन का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार की एसएलपी खारिज करते हुए हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है, जिसमें सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के शिक्षकों को थर्ड प्रमोशन का लाभ देने के निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट के जज दीपांकर दत्ता और जज शील नागू की दो जजों की बेंच ने राज्य सरकार की चुनौती को नहीं माना। इसके साथ ही हाई कोर्ट का आदेश बरकरार रह गया है। मामला तिलक विद्यालय कटनी के शिक्षक एसपी मिश्रा की याचिका से जुड़ा है। याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकार के शिक्षकों को थर्ड प्रमोशन का लाभ दिया जा रहा है, जबकि अनुदान प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में काम कर रहे शिक्षकों को इससे वंचित रखा जा रहा है।



हाई कोर्ट ने कब दिया था फैसला

इस मामले में हाई कोर्ट ने छह मई 2026 को शिक्षकों के पक्ष में फैसला सुनाया था। राज्य सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब एसएलपी खारिज होने से हाई कोर्ट का फैसला बरकरार है और अनुदान प्राप्त संस्थाओं के शिक्षकों को थर्ड प्रमोशन का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। शिक्षकों की ओर से वकील मनन अग्रवाल और शुभम मिश्रा ने पक्ष रखा।

मेट्रो एंकर | लकड़ी के टुकड़ों में उकेरे सपने, हुनर से हर महीने कमा रहीं 8 हजार रुपये

गोंडी चित्रकला से काष्ठ शिल्प तक बनाई पहचान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हालात चाहे कितने भी मुश्किल हों, यदि हौसला और हुनर साथ हो तो सफलता की राह निकाली जा सकती है। शहडोल जिले के छोटे से गांव छतवई की दुर्गा सिंह इसकी मिसाल बन रही हैं। लकड़ी के बेजान टुकड़ों को अपनी कलात्मक कल्पनाओं से खूबसूरत आकृतियों में बदलने वाली दुर्गा आज अपने हुनर से हर महीने 6 से 8 हजार रुपये कमा रही हैं। उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद आर्थिक परिस्थितियों के चलते जब सरकारी नौकरी का सपना पूरा करना चुनौतीपूर्ण हुआ, तो उन्होंने निराश होने के बजाय अपनी प्रतिभा को आजीविका का माध्यम बना लिया। उनकी यह पहल ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरक कहानी है।

दुर्गा ने वर्ष 2019 में मनोविज्ञान विषय से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने सरकारी नौकरी की तैयारी शुरू की, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति उनके लिए बड़ी चुनौती थी। पिता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार में तीन बहनें और एक भाई हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद दुर्गा ने अपने सपनों को पीछे नहीं छोड़ा। उन्होंने आत्मनिर्भर बनने के लिए पहले सिलाई-बुनाई सीखी और फिर ब्यूटी पार्लर का काम सीखने का प्रयास किया। हालांकि, इनसे अपेक्षित आमदनी नहीं हुई, लेकिन उन्होंने कोशिश जारी रखी।

इसी तलाश में दुर्गा छतवई स्थित हथकरघा एवं हस्तशिल्प केंद्र पहुंचीं। यहां उन्होंने जनजातीय गोंडी चित्रकला का प्रशिक्षण लिया। रंगों और पारंपरिक आकृतियों के साथ काम करते हुए उनकी कलात्मक प्रतिभा निखरने लगी। इसके बाद उन्होंने काष्ठ शिल्प में रुचि दिखाई और लकड़ी पर चित्रांकन तथा आकर्षक आकृतियां उकेरने की कला सीखना शुरू किया। महज एक महीने के अभ्यास में उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से प्रशिक्षकों को प्रभावित किया। गोंडी चित्रकला का अनुभव भी उनकी काष्ठ कलाकृतियों को विशिष्ट रूप देने में मददगार साबित हुआ। आज दुर्गा लकड़ी पर अपनी कल्पनाओं को आकार दे रही हैं। उनकी बनाई कलाकृतियां केवल रचनात्मकता का उदाहरण नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में उनकी सफलता भी हैं। काष्ठ शिल्प के माध्यम से वह प्रतिमाह लगभग 6 से 8 हजार रुपये अर्जित कर रही हैं। उनके लिए यह आमदनी छोटी नहीं, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।



सरकारी नौकरी की तैयारी भी जारी

दुर्गा का लक्ष्य काष्ठ शिल्प में अपनी अलग पहचान बनाना है। वह लगातार अभ्यास कर अपने कौशल को और बेहतर करना चाहती हैं, ताकि आने वाले समय में आमदनी बढ़ा सकें। हालांकि, उन्होंने सरकारी नौकरी की तैयारी भी नहीं छोड़ी है। अब वह नौकरी के इंतजार के साथ-साथ अपने हुनर के दम पर भी भविष्य संवार रही हैं। दुर्गा की कहानी अकेले उनकी सफलता तक सीमित नहीं है। छतवई के हथकरघा एवं हस्तशिल्प केंद्र में वर्तमान में 12 महिलाएं और 17 पुरुष काष्ठ शिल्प का प्रशिक्षण ले रहे हैं। पारंपरिक कला को कौशल और आजीविका से जोड़कर यह केंद्र ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर तैयार कर रहा है।

विश्वास, सहयोग और नई संभावनाएं

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की 22-23 नवम्बर 2026 की भारत यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रही। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा थी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हुई इस यात्रा ने स्पष्ट किया कि भारत और नेपाल के संबंध केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनकी नींव ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक निकटता पर टिकी हुई है।

भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने रोटी-बेटी के संबंध हैं। दोनों देशों की खुली सीमा, धार्मिक आस्था, व्यापारिक गतिविधियां और पारिवारिक रिश्ते इन्हें एक-दूसरे का स्वाभाविक सहयोगी बनाते हैं। ऐसे में नेपाल के नए नेतृत्व की भारत यात्रा का विशेष महत्व है। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी और बालेंद्र शाह के बीच व्यापार, ऊर्जा, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि नेपाल के विकास और पुनर्निर्माण के लिए भारत द्वारा लगभग 1.62 अरब डॉलर की सहायता की घोषणा है। इसमें 3,500 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता तथा ऊर्जा क्षेत्र के लिए 11,500 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा शामिल है। अगस्त में आई विनाशकारी बाढ़ से नेपाल में भारी जन-धन की क्षति हुई थी। ऐसे समय में भारत की सहायता उसकी पड़ोसी प्रथम नीति और मानवीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके अतिरिक्त अयोध्या-जनकपुर के बीच सरयू-कमला एक्सप्रेस रेल सेवा सहित कई सहयोग परियोजनाएं भी महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दोनों देशों के संबंधों में कुछ चुनौतियां भी हैं। सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन, जल संसाधनों का बंटवारा और नेपाल की राजनीतिक संवेदनशीलता जैसे मुद्दों का समाधान आवश्यक है। चीन के साथ नेपाल के बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को भी भारत को समझदारी से देखना होगा। भारत को नेपाल की संप्रभुता और स्वतंत्र विदेश नीति का सम्मान करते हुए सहयोग का वातावरण बनाना चाहिए।

वास्तव में, नेपाल को केवल एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि भारत के विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखना चाहिए। वहीं नेपाल को भी यह समझना होगा कि भारत के साथ मजबूत संबंध उसकी आर्थिक प्रगति, ऊर्जा निर्यात और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए लाभकारी हैं। बालेंद्र शाह की भारत यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। अब आवश्यकता घोषणाओं को धरातल पर उतारने की है। यदि दोनों देश आपसी विश्वास, समानता और पारस्परिक सम्मान के आधार पर आगे बढ़ते हैं, तो भारत-नेपाल मैत्री न केवल दोनों देशों की समृद्धि का आधार बनेगी, बल्कि दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और सहयोग का भी मजबूत उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

प्रकाश पर्व पर विशेष

आडंबर और अंधविश्वास दूर कर गुरु नानक देव ने फैलाया जगत में ज्ञान का प्रकाश

डॉ. श्रीगोपाल नारसन
स्तंभकार



अंधविश्वास और आडंबरों को दूर कर ज्ञान का प्रकाश सारे जगत में फैलाने वाले गुरु नानक का प्रकाश उत्सव यानि अवतरण दिवस कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है, हालांकि उनका वास्तविक जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक देव पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके माथे पर शुरू से ही तेज आभा बनी हुई थी। तलवंडी जो अब पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील दूर पश्चिम में स्थित है, गुरु नानक का नाम साथ जुड़ने के बाद ननकाना कहलाया। गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

बचपन में जब नानक देव के अन्य साथी बच्चे खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित हो जाते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा ,लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते और वे उनके ज्ञान व प्रतिभा को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर इस संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भी भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। अन्ततः नानक देव ने घर बार छोड़ दिया और दूर देशों में भ्रमण करना शुरू किया। इससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। उन्होंने कबीरदास की निर्गुण उपासना का प्रचार पंजाब से आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु बन हुए।



गुरु नानक देव का विवाह सन सन1485 में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द हुए। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी थी, वह भी नानक जी ने साधु सेवा में लगा दी। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहां वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत खां के यहां मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी, उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की यात्राएं भी कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में आकर बस गये और सन1521 ई. से सन1539 ई. तक वहीं रहे।

गुरु नानक देव ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर प्रथा शुरू की । लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। गुरु नानक देवजी का जन्मदिन प्रतिवर्ष गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का निधन सन सन1539 ई. में हुआ। उन्होंने गुरुगद्दी का भार गुरु अंगददेव (बाबा लहना) को सौंप दिया थाऔर स्वयं करतारपुर में ज्योति में लीन हो गए।

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। नाम-स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है। उन्होंने अपने अनुयायियों को जीवन की दस शिक्षाएं दीं जो यहां प्रस्तुत हैं, ईश्वर एक है,सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो। ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है। ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए। बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं। सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए। मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए। सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं। भोजन शरीर को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।गुरु नानक देव की दी हुई शिक्षा से समाज मे व्यापक जागृति आई और वे सिर्फ सिख धर्म ही नही सम्पूर्ण समाज के प्रेरक बने।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राजस्थान की संस्कृति और अनूठी परंपरा का वाहक है यहां का पुष्कर मेला

रमेश सर्राफ धमोरा
स्तंभकार



राजस्थान में त्यौहारों, पर्वों एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधें रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देर्वाचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं।

पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं। पुष्कर मेले को खास माना जाता है क्योंकि यह धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक महत्व का एक अनूठा संगम है। पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।



राजस्थान में अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। यहां पर विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होता है जो इस मेले की शोभा को और बढ़ा देते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं।

पुष्कर मेले की मुख्य विशेषताओं में दुनिया का सबसे बड़ा ऊँट और पशुधन मेला होना, जिसमें ऊँट, घोड़े, और अन्य मवेशियों की खरीद-बिक्री होती है, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का मिश्रण शामिल है। इसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, पारंपरिक खेल जैसे कुश्ती और कबड्डी, और ऊँट व घोड़ों के लिए सजगता प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसके अलावा, मेले में हस्तशिल्प बाजार और पवित्र पुष्कर झील के किनारे धार्मिक अनुष्ठान भी होते हैं। जो इसे एक बहुआयामी उत्सव बनाते हैं।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है।

पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर है। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है। ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इन्कार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त करके कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है।

हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बाइपोलर डिसऑर्डर में बदलता है दिमाग का संतुलन, स्कैन से नहीं होती पुष्टि

मूड में बार-बार बदलाव, कभी असामान्य रूप से ज्यादा ऊर्जा महसूस होना और कभी गहरी उदासी में चले जाना बाइपोलर डिसऑर्डर के लक्षण हो सकते हैं। यह सामान्य डिप्रेशन से अलग मानसिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें व्यक्ति को मेनिया या हाइपोमेनिया और डिप्रेशन के एपिसोड हो सकते हैं। वैज्ञानिक शोधों में इस बीमारी से प्रभावित लोगों के दिमाग की बनावट और गतिविधियों में कुछ अंतर देखे गए हैं। हालांकि, अभी तक ऐसा कोई निश्चित ब्रेन स्कैन पैटर्न नहीं मिला है, जिससे किसी व्यक्ति में इस बीमारी की पुष्टि की जा सके।



बाइपोलर डिसऑर्डर में मूड और ऊर्जा के स्तर में असामान्य बदलाव आते हैं। मेनिया के दौरान व्यक्ति को बहुत ज्यादा ऊर्जा महसूस हो सकती है। नींद की जरूरत कम हो जाती है, बोलने की गति बढ़ जाती है और विचार तेजी से आने लगते हैं। कई बार व्यक्ति बिना सोचे-समझे जोखिम भरे फैसले भी ले सकता है। हाइपोमेनिया में भी ऐसे लक्षण होते हैं, लेकिन उनकी तीव्रता अपेक्षाकृत कम होती है। इसके विपरीत, डिप्रेशन के एपिसोड में व्यक्ति उदासी, निराशा, थकान और पहले पसंद आने वाली गतिविधियों में रुचि कम होने जैसी समस्याओं से जूझ सकता है। इन बदलावों का असर कामकाज, रिश्तों और रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल एमआरआई या सीटी स्कैन से बाइपोलर डिसऑर्डर की सीधे पुष्टि नहीं की जा सकती। इसकी पहचान मुख्य रूप से व्यक्ति के व्यवहार, मूड में बदलाव, लक्षणों की अवधि और मेडिकल हिस्ट्री के आधार पर की जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के अनुसार, निदान के दौरान व्यक्ति के जीवन में हुए मूड एपिसोड की गंभीरता, अवधि, बारंबारता और पारिवारिक इतिहास का मूल्यांकन किया जाता है। कोई ब्लड टेस्ट या ब्रेन स्कैन अकेले इस बीमारी का निदान नहीं कर सकता।

इसलिए एमआरआई रिपोर्ट सामान्य आने का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति को बाइपोलर डिसऑर्डर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन (एनसीबीआई) में प्रकाशित शोधों के अनुसार, बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रभावित लोगों के समूहों में दिमाग की बाहरी परत की मोटाई कम होने, कुछ आंतरिक संरचनाओं के आकार में अंतर और व्हाइट मैटर की बनावट में बदलाव के संकेत मिले हैं। हालांकि, ये अंतर शोध में शामिल लोगों के औसत परिणामों में देखे गए हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हर मरीज के दिमाग में एक जैसे बदलाव होते हैं या इन बदलावों से बीमारी की पहचान की जा सकती है। वैज्ञानिक इन बदलावों के जरिए बीमारी के पीछे मौजूद जैविक प्रक्रियाओं को समझने का प्रयास कर रहे हैं।

कब लें विशेषज्ञ की सलाह: यदि मूड में असामान्य बदलाव, नींद की जरूरत में कमी, अत्यधिक ऊर्जा या लंबे समय तक उदासी जैसे लक्षण दिखाई दें, तो मनोचिकित्सक से सलाह लेना जरूरी है। केवल स्कैन कराने के बजाय लक्षणों और उनकी अवधि का सही मूल्यांकन कराना अधिक उपयोगी है। समय पर पहचान और उचित उपचार से बाइपोलर डिसऑर्डर को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।

निशाना

केवल दलाली दीजिए...



मनोज साहू 'निडर'

जुगनुओं के देश में सूरज को गाली दीजिए,
इन सवेरों के लिए सौगात काली दीजिए।
बारिश होने लगी है, कुछ नया सा हो ज़रा,
झुनझुनों को छोड़ अब हाथों में थाली दीजिए।
दाल-रोटी की फिक्र से, दे न पाएँ गर निजात,
होश में आने न पाएँ, ऐसी प्याली दीजिए।
आम-सी फलने लगी हैं डिग्रियां भी आजकल,
तोड़कर ले जाइए, केवल दलाली दीजिए।
खेत को ही खा रही बाड़, शिकायत क्या करें,
अब मचानों पर उसे करने जुगाली दीजिए।
लाए हैं मेहमान बनाकर रैलियों में आपको,
आप हर जुमले पे साहब खूब ताली दीजिए।
सूखती हर डाल की है ये गुज़ारिश अब 'निडर',
फिर हरा कर दे चमन, ऐसा तो माली दीजिए।

टेक्नो अपडेट

'ड्रैकुला' की तकनीक से बिना धूप भी बनेगी बिजली, घर की रोशनी से चलेंगे गैजेट्स

सोलर पैनल का नाम सुनते ही छत पर लगी प्लेट और तेज धूप से बिजली बनने की तस्वीर सामने आती है। लेकिन अब ऐसी तकनीक विकसित की जा रही है, जो सूरज की सीधी रोशनी के बिना घर के अंदर जलने वाली सामान्य लाइट से भी बिजली बना सकती है। फ्रांस की कंपनी ड्रैकुला टेक्नोलॉजीज ने एक खास ऑर्गेनिक सोलर तकनीक तैयार की है। इसकी मदद से छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बिजली दी जा सकती है। भविष्य में यह तकनीक रिमोट, स्मार्ट सेंसर और दूसरे छोटे गैजेट्स में इस्तेमाल होने वाली बैटरियों का विकल्प बन सकती है।



ड्रैकुला टेक्नोलॉजीज की इस तकनीक का नाम सुनकर भले ही कुछ अजीब लगे, लेकिन इसका काम काफी उपयोगी है। कंपनी ने बेहद पतली और लचीली ऑर्गेनिक फोटोवोल्टिक (ओपीवी) तकनीक विकसित की है। यह आसपास मौजूद कृत्रिम रोशनी यानी एलईडी और दूसरी घरेलू लाइटों से ऊर्जा हासिल कर सकती है। सामान्य सोलर पैनल सूर्य की रोशनी को बिजली में बदलते हैं, जबकि यह तकनीक घरों और दफ्तरों के अंदर उपलब्ध रोशनी का इस्तेमाल करती है। इसे खास तौर पर कम बिजली खपत करने वाले उपकरणों के लिए तैयार किया गया है। इसका मतलब यह नहीं है कि इससे घर का पंखा, फ्रिज या एसी चलाया जा सकेगा। इस तकनीक में कार्बन आधारित ऑर्गेनिक पदार्थों की बेहद पतली परतों का इस्तेमाल किया जाता है। इन परतों पर जब रोशनी पड़ती है तो वे प्रकाश ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने का काम करती हैं। इस तरह तैयार बिजली छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को चलाने में इस्तेमाल हो सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसके मॉड्यूल हल्के, पतले और लचीले बनाए जा सकते हैं। डिजिटल प्रिंटिंग तकनीक की मदद से इन्हें अलग-अलग आकार और जरूरत के मुताबिक तैयार करना भी संभव है। इस तकनीक का सबसे ज्यादा फायदा उन उपकरणों में हो सकता है, जिन्हें बहुत कम बिजली की जरूरत होती है। उदाहरण के लिए टीवी के रिमोट, स्मार्ट डोर लॉक, तापमान नियंत्रित करने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक सेंसर और सामान की पहचान करने वाले छोटे ट्रैकर।

दुकानों में सामान की कीमत दिखाने वाले इलेक्ट्रॉनिक लेबल और घरों में हवा की गुणवत्ता जांचने वाले सेंसर भी इसके संभावित उपयोगों में शामिल हैं। ऐसे उपकरणों को लगातार या रुक-रुककर बिजली की जरूरत होती है। आसपास की रोशनी से ऊर्जा मिलने पर बार-बार बैटरी बदलने की जरूरत कम हो सकती है।

नॉलेज स्टोरी

1.3 करोड़ साल पहले जिराफ सी गर्दन और चार सेमी के नुकीले दांतों वाला था वैम्पायर ऊंट

आज के ऊंटों को रेगिस्तान में लंबी यात्राएं करने और कठिन परिस्थितियों में जीवित रहने के लिए जाना जाता है, लेकिन करीब 1.3 करोड़ साल पहले उत्तरी अमेरिका की धरती पर एक ऐसा ऊंट भी घूमता था, जिसकी बनावट किसी डरावने जीव जैसी थी। उसकी गर्दन जिराफ की तरह असाधारण रूप से लंबी और दांत करीब चार सेंटीमीटर तक नुकीले थे। वैज्ञानिकों ने इस विलुप्त प्रजाति को 'वैम्पायरोकेमेलस वेल्शी' नाम दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इतने खतरनाक दांतों के बावजूद यह जीव मांसाहारी नहीं, बल्कि शाकाहारी था। इस अनोखे जीव की जानकारी न्यू मैक्सिको म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री एंड साइंस के बुलेटिन में प्रकाशित शोध से सामने आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह प्रजाति लगभग 10 से 13 मिलियन साल पहले यानी करीब 1.3 करोड़ साल पहले उत्तरी अमेरिका में मौजूद थी। इसके जीवाश्म मुख्य रूप से अमेरिका के टेक्सास और ओक्लाहोमा में मिले हैं। कुछ अवशेष नेब्रास्का में भी पाए गए हैं।



वैज्ञानिकों के अनुसार इस प्राचीन ऊंट के चार लंबे और पतले पैर थे। इसकी गर्दन असाधारण रूप से लंबी थी, जो लगभग तीन मीटर तक होने का अनुमान है। इसके मुंह में मौजूद कैनाइन यानी नुकीले दांत इसकी सबसे खास पहचान थे। ये दांत करीब 40 मिलीमीटर यानी चार सेंटीमीटर लंबे थे और इनके सिरे आगे की ओर मुड़े हुए थे। सबसे दिलचस्प सवाल यही है कि पौधे खाने वाले जीव को इतने बड़े और नुकीले दांतों की जरूरत क्यों थी। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि इनका इस्तेमाल शिकारियों से बचाव के लिए किया जाता होगा। इसके अलावा नर जीवों के बीच मुकाबले या मादा को आकर्षित करने में भी ये दांत उपयोगी हो सकते थे। इसका मतलब है कि बड़े नुकीले दांत होना हमेशा मांसाहारी होने का संकेत नहीं होता। कई शाकाहारी जीवों में भी ऐसे दांत रक्षा और प्रजनन संबंधी व्यवहार के लिए विकसित हुए हैं।

कई रहस्यों से उठना बाकी है पर्दा: वैज्ञानिकों का मानना है कि संग्रहालयों में अभी भी इस प्रजाति से जुड़े ऐसे जीवाश्म मौजूद हो सकते हैं, जिनकी सही पहचान नहीं हो पाई है। कुछ हड्डियां दूसरी लंबी गर्दन वाले प्राचीन ऊंटों की प्रजातियों से मिलती-जुलती हैं। इसलिए उनकी पहचान करना चुनौतीपूर्ण है। वैम्पायरोकेमेलस की खोज बताती है कि पृथ्वी का प्राचीन जीव-जगत आज की कल्पना से कहीं अधिक विविध और विचित्र था। संग्रहालयों में वर्षों से सुरक्षित रखे जीवाश्मों का दोबारा अध्ययन भी इतिहास के नए अध्याय खोल सकता है।

कार्तिक पूर्णिमा पर अलसुबह से संगम में आस्था की डुबकी, बांद्राभान बना श्रद्धा का केंद्र

नर्मदा-तवा के संगम पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, 200 साल पुरानी परंपरा में शामिल होने परिवारों के साथ पहुंचे लोग, दाल-बाटी-चूरमा का लगाया भोग...



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर मंगलवार को नर्मदा और तवा नदी के संगम स्थल बांद्राभान में आस्था और श्रद्धा का अनूठा नजारा देखने को मिला। अलसुबह सूर्योदय से पहले ही संगम में मुख्य स्नान का सिलसिला शुरू हो गया। हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में डुबकी लगाकर मां नर्मदा का पूजन-अर्चन किया। सुबह होते-होते श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। दूर-दराज के क्षेत्रों से लोग परिवार सहित बांद्राभान मेले में पहुंचे। करीब 200 साल पुरानी परंपरा से जुड़े इस मेले में कार्तिक पूर्णिमा के मुख्य स्नान का विशेष धार्मिक महत्व है।

संगम में स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने रेतीले तट पर पूजा-अर्चना की और पारंपरिक तरीके से दाल-बाटी-चूरमा तैयार कर मां नर्मदा और तवा नदी को भोग लगाया। परिवारों ने संगम किनारे बैठकर भोजन किया। कहीं पूजा-पाठ तो कहीं भजन-कीर्तन और धार्मिक गतिविधियां चलती रहीं। पूरा मेला क्षेत्र श्रद्धा और भक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली, चारपहिया और दोपहिया वाहनों ओर बैल गाड़ी से यहां पहुंच रहे हैं। मेले की धार्मिक मान्यताओं और पारंपरिक आयोजनों में आज भी पुरानी संस्कृति की झलक दिखाई देती है। मेले में 600 से अधिक दुकानें सजी हैं। खानपान, घरेलू उपयोग की सामग्री और मनोरंजन के साधनों के बीच मेले में रौनक बनी हुई है। नर्मदा आरती, भजन संध्या और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजन का हिस्सा हैं।

न्यूज विंडो

शिव ने विष्णु को सृष्टि संचालन का भार लौटाया बैकुंठ चतुर्दशी पर निकली हरिहर मिलन यात्रा



सिरोंज। सिरोंज में मंगलवार को शाम 6 बजे त्रिपुर सुंदरी घाट पर पूजन आरती के बाद भगवान शिव पालकी में सवार होकर भगवान विष्णु से मिलने निकले द्य भगवान शिव(हर) ओर भगवान विष्णु (हरि) के मिलन को हरिहर मिलन कहा जाता है द्य नगर में प्रतिवर्ष कार्तिक मास उत्सव समिति द्वारा हरिहर मिलन यात्रा का आयोजन किया जाता है,प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी यात्रा का आयोजन मंगलवार को किया गया जिसमें विधायक सहित सेकड़ो की संख्या में श्रद्धालू शामिल हुए द्य कार्तिक स्नान में शामिल होने वाली सेकड़ो महिलाये व अन्य श्रद्धालू कतार में चलते दिखाई दिए द्य भगवान शिव की पालकी में भगवान महाकाल के सूंदर मुखौटा का दर्शन हो रहा था द्य रात्रि करीब 8 बजे भगवान शिव की पालकी मदन मोहन सरकार मंदिर पहुंची । जहां पर हरि ओर हर दोनों भगवानों की मालाओं का आदान प्रदान किया गया ओर आरती की गई द्य भगवान शिव ओर भगवान विष्णु का मिलन ही हरिहर मिलन कहलाता है द्य जिसके बाद पालकी वापस पंचकुया घाट की ओर रवाना हुई जो करीब 9.30 बजे तक पहुंची द्य पूरे रास्ते कार्तिक मास उत्सव समिति के संरक्षक विधायक उमाकांत शर्मा हरिहर मिलन यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह वर्धन करते रहे।

नौलखी घाट डेम से पानी खींचने पर रोक उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई



गंजबासौदा। नौलखी घाट स्टॉप डेम से खेतों की सिंचाई के लिए मोटरों से पानी खींचने पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। लगातार पानी निकासी से डेम का जलस्तर घटने और गर्मी में नगर की पेयजल व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के चलते प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। गत दिवस तहसीलदार सविता पटेल, नायब तहसीलदार रतिराम, नगर पालिका इंजीनियर सौरभ श्रीवास्तव, जलप्रदाय प्रभारी सुनील यादव और बिजली विभाग की टीम ने डेम का निरीक्षण किया। इस दौरान खेतों में पानी खींचने के लिए मोटरें लगी मिलीं। अधिकारियों ने तत्काल मोटरें हटवाने के निर्देश देते हुए किसानों को चेतावनी दी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि डेम के ओवरफ्लो होने तक सिंचाई के लिए पानी निकालने की अनुमति नहीं होगी। इसके बावजूद मोटर लगाकर पानी खींचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार ने कहा कि नौलखी घाट डेम नगर की पेयजल आपूर्ति का महत्वपूर्ण स्रोत है। इसका पानी सिंचाई में खर्च होने से गर्मी में नगरवासियों के सामने गंभीर जल संकट खड़ा हो सकता है। नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार डेम के जलस्तर की नियमित निगरानी की जाएगी। वहीं बिजली विभाग को भी अवैध रूप से संचालित मोटरों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई को नगरवासियों ने जरूरी कदम बताते हुए डेम की नियमित निगरानी और पेयजल के संरक्षण की मांग की है।

लाल पठार में स्वास्थ्य शिविर में 345 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण



गंजबासौदा। सिनर्जी संस्थान एवं एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से संचालित संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम लाल पठार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लाल पठार, महागौर एवं मुंडरा के 345 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. उमाशंकर, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हरिप्रसाद (सेवा सदन, बैरागढ़) एवं जनरल फिजिशियन डॉ. रवि गंगवाल ने मरीजों का परीक्षण किया। यहां बच्चों की स्वास्थ्य जांच, नेत्र परीक्षण, मोतियाबिंद की पहचान, हड्डियों की जांच, सामान्य ओपीडी, बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन, ईसीजी, एलएफटी, आरएफटी, यूरिया एवं विडाल सहित विभिन्न जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। गर्भवती एवं प्रसूता महिलाओं की भी जांच की गई। विशेष रूप से मेट्रोपोलिस लैब गंजबासौदा के संचालक ऋतिक रघुवंशी के सहयोग से 55 लोगों की थायराइड (टीएसएच) जांच निःशुल्क की गई। शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

अखाड़े के नन्हे कलाकारों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब, पंच प्यारों का जगह-जगह हुआ स्वागत

श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व पर ओबेदुल्लागंज में निकला भव्य नगर कीर्तन



ओबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन उपलक्ष्य में नगर में विभिन्न धार्मिक और श्रद्धामय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इसी कड़ी में सिख समाज द्वारा नगर में एक भव्य और विशाल नगर कीर्तन निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित किया।

नगर कीर्तन की शुरुआत महावीर कॉलोनी से हुई। पंच प्यारों की अगुवाई और श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की छत्रछाया में निकला यह नगर कीर्तन नगर के मुख्य मार्गों से होता हुआ गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालु गुरुवाणी और शबद कीर्तन का गायन करते हुए चल रहे थे, जिससे समूचा वातावरण भक्तिमय हो गया। संगत द्वारा मार्ग की सफाई और पुष्पवर्षा कर गुरु साहिब के प्रति अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट की गई।

नगर कीर्तन के दौरान अखाड़े के नन्हे कलाकारों ने एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज जौहर दिखाकर नगरवासियों का मन मोह लिया। मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के साथ-साथ आम नगरवासियों ने भी मंच लगाकर नगर कीर्तन का भव्य स्वागत किया और पंच प्यारों का आशीर्वाद लिया। श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह स्वल्पाहार और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी। गुरुद्वारा साहिब पहुंचने पर अरदास के साथ नगर कीर्तन का समापन हुआ ।

जंगल में गौ-अवशेष मिलने का आरोप, विहिप-बजरंग दल ने कार्रवाई की मांग की



सिरोंज। दोपहर मेट्रो

ग्राम नेकान केनरा के जंगल क्षेत्र में पहाड़ी के ऊपर गाय के अवशेष मिलने की सूचना के बाद विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने मामले को लेकर प्रशासन से जांच एवं कार्रवाई की मांग की है। संगठन की ओर से जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को सौंपे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि जंगल क्षेत्र की पहाड़ी पर गाय के अवशेष मिलने की सूचना पर कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं के अनुसार, घटनास्थल पर तीन से चार गायों के अवशेष सहित अन्य साक्ष्य मिलने की बात सामने आई है।

पत्र में क्षेत्र में गौहत्या एवं गौमांस से जुड़ी अवैध गतिविधियों की आशंका जताते हुए कहा गया है कि इस घटना से आसपास के ग्रामीणों में चिंता और आक्रोश है। संगठन ने प्रशासन से घटनास्थल की गंभीरता से जांच कराने, मामले में संलिप्त लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा क्षेत्र में इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगाने की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने कहा कि गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को तत्परता से कार्रवाई करनी चाहिए। मध्य भारत प्रांत टोली सामाजिक समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

होटल मालिक पर वेटर से मारपीट व जातिसूचक गालियां देने का आरोप

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल आरती पैलेस में काम करने वाले एक वेटर के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने का मामला सामने आया है। फरियादी की शिकायत के आधार पर कोतवाली पुलिस ने होटल मालिक के खिलाफ मारपीट सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अर्जुन कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय अरविन्द पिता प्रताप डावर होटल आरती पैलेस में वेटर का काम करता है। फरियादी ने अपनी मां चंदुबाई और मामा के लड़के उपेन्द्र परमार के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 22 नवंबर 2026 की शाम करीब 4:30 बजे होटल आरती पैलेस का मालिक संदीप पिता रामगोपाल रघुवंशी निवासी मांडू नाका उसके घर आया और रविवार को भीड़ अधिक होने का हवाला देकर काम के



लिए अपने साथ होटल ले गया।

रिपोर्ट में बताया गया है कि उसी दिन शाम करीब 6:30 बजे होटल मालिक संदीप रघुवंशी ने कुछ दिन पहले होटल से 5 से 7 कुर्सियां चोरी होने की बात को लेकर विवाद शुरू किया। आरोप है कि इसी दौरान उसने फरियादी के साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अभद्र गालियां दीं। जब फरियादी ने गाली देने से मना किया, तो आरोपी ने हाथ में लिए प्लास्टिक के पाइप से उसके बाएं कंधे, बाएं हाथ, बाएं पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर मारपीट की, जिससे उसे अंदरूनी चोटें आईं। फरियादी के मुताबिक, वह किसी तरह मौका देखकर वहां से भाग निकला।

ससना कला में जुए के अड्डे पर पुलिस की दबिश, 11 जुआरी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी के निर्देश पर जिले में अवैध जुआ, शराब और सट्टे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तेंदूखेड़ा पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ग्राम ससना कला में जुए के अड्डे पर दबिश देकर जुआ खेलते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12,000 रुपए नकद जब्त किए हैं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत भदौरिया के निर्देशन एवं एसडीओपी तेंदूखेड़ा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सरोज ठाकुर ने मुखबिर की सूचना पर टीम तैयार की। टीम ने ससना कला में दबिश देकर जुआ खेल रहे आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा पुलिस ने सभी आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्र. 484/2026 धारा 13 जुआ एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

टीही से धार के बीच 47 किमी ट्रैक तैयार

दिसंबर से इंदौर-धार के बीच दौड़ सकती है यात्री ट्रेन

धार। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के औद्योगिक और व्यावसायिक केंद्र इंदौर को आदिवासी बहुल धार जिले से रेल नेटवर्क के जरिए जोड़ने की कवायद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। सब कुछ तय योजना के मुताबिक रहा, तो दिसंबर माह से धार और इंदौर के बीच यात्री रेल सेवा शुरू हो सकती है। इस परियोजना के शुरू होने से न केवल धार की दशकों पुरानी मांग पूरी होगी, बल्कि प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर और इंदौर के बीच आवागमन का एक बड़ा और किफायती विकल्प भी तैयार होगा। रेलवे के सूत्रों और जमीनी तैयारियों के अनुसार, धार से टीही के बीच करीब 47 किलोमीटर लंबे रेलखंड का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस मार्ग पर रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) का निरीक्षण



भी संपन्न हो चुका है। हालांकि, निरीक्षण के बाद सामने आई कुछ तकनीकी कमियों को दुरुस्त करने का काम फिलहाल अंतिम चरण में है। इन सुधारों के पूरा होते ही रेलवे बोर्ड से यात्री गाड़ियों के संचालन की हरी झंडी मिल जाएगी। भोपाल से लेकर पश्चिमी मप्र के रेल ढांचे के लिहाज से इस परियोजना का अगला चरण बेहद अहम माना जा रहा है। रेलवे की योजना अब धार से करीब आठ किलोमीटर आगे तिरला तक रेल लाइन का विस्तार करने की है।

मेट्रो एंकर

लेक सिटी गार्डन में जुटे सैकड़ों समाजजन, कहा- इत्तेहाद से ही बनेगा मजबूत समाज

मंसूरी समाज का जिला स्तरीय एकता एवं बेदारी सम्मेलन संपन्न

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर के नए बस स्टैंड स्थित लेक सिटी गार्डन में मंसूरी समाज का जिला स्तरीय एकता एवं बेदारी सम्मेलन गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। सम्मेलन में समाज की एकता, तालीम, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा सियासी बेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मंसूरी समाज को तालीमी, सामाजिक और सियासी तौर पर जागरूक कर एक मजबूत एवं संगठित समाज का निर्माण करना रहा।

सम्मेलन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अहसान मंसूरी ने समाज में सियासी बेदारी बढ़ाने तथा समाज के भीतर से काबिल और दूरदर्शी नेतृत्व तैयार करने की आवश्यकता पर जोर



दिया। उन्होंने कहा कि समाज की तरक्की और हक-हुकूक की आवाज बुलंद करने के लिए राजनीतिक रूप से जागरूक एवं संगठित होना बेहद जरूरी है। इस विषय पर समाज के लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

तालीम को बताया तरक्की की बुनियाद

वहीं वरिष्ठ नेता जाहिद मंसूरी ने तालीम की अहमियत पर रोशनी डालते हुए समाज के लोगों से अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने तथा शिक्षित और संगठित समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि तालीम ही समाज की तरक्की और आने वाली नस्लों के बेहतर मुस्तकबिल की बुनियाद है।

आपसी भाईचारे और इत्तेहाद का पैगाम

वहीं समाज के प्रदेश अध्यक्ष अज़ीज़ मंसूरी ने समाज में आपसी भाईचारा, मोहब्बत, इत्तेहाद और एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती के लिए आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे का साथ देना और मिल-जुलकर समाज के उत्थान के लिए काम करना जरूरी है। सम्मेलन में बड़ी संख्या में समाजसेवी, वरिष्ठजन, पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ऑल इंडिया मंसूरी समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश शासन में पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त जनाब एहसान मंसूरी (भोपाल), ऑल इंडिया मंसूरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष जनाब अजीज मंसूरी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री जनाब हुसैन मंसूरी पाकीज़ा तथा वरिष्ठ समाजसेवी जनाब जाहिद मंसूरी (भोपाल), कांग्रेस नेता जनपद सदस्य अतीक मंसूरी, पत्रकार इरफान मंसूरी, सरपंच शमीम मंसूरी प्याराखेड़ी, हाफिज अब्दुल कदीर भौंरिया, एडवोकेट जफर मंसूरी, जाकिर मंसूरी, शाहिद मंसूरी, एजाज मंसूरी प्याराखेड़ी सहित समाज के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं लोग विशेष रूप से उपस्थित रहे।





नगर परिषद के सफाई कर्मियों की मनमानी जारी, अधिकारी भी नहीं दे रहे ध्यान

कचरा उठाने की बजाय आग लगाकर कर रहे हैं नष्ट, निगमकर्मी पर्यावरण को पहुंचा रहे नुकसान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नगर परिषद के सफाई कर्मियों पर आरोप है कि वे सड़कों और गलियों से कचरा उठाने की बजाय उसे वहीं आग लगाकर नष्ट कर रहे हैं। इससे निकलने वाले धुएं से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच रहा है नगर परिषद द्वारा मुख्य सड़कों एवं गलियों में सफाई के लिए झाड़ू लगाई जाती है और उनके द्वारा इकट्ठा किए गए कचरे को ढेर बना दिया जाता है। जिसे फेंकने की बजाय, बाद में उसी में आग लगा दी जाती है। कचरे के जलने से निकलने वाले धुएं से लोगों को बड़ी दिक्कत हो रही है साथ ही प्रदूषण फैल रहा है, क्योंकि कचरे में प्लास्टिक, कांच, कागज, पॉलीथिन सभी प्रकार का कचरा होता है। इसके जलने से निकलने वाला धुआं बेहद जहरीला बताया जा रहा है। लोग सुबह ताजी हवा लेने के लिए मॉर्निंग वॉक पर जाते हैं, लेकिन नगर परिषद के सफाई कर्मियों द्वारा जलाया जाने वाला कचरा लोगों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है।

आग लगाकर छोड़ जाते हैं कर्मी

स्थानीय लोगों ने कहा कि नियम के अनुसार नगर में जगह-जगह लगे कचरे को उठाकर परिषद द्वारा चिन्हित स्थान पर फेंका जाना चाहिए, पर ऐसा नहीं किया जा रहा है। अधिकतर जगह इस कचरे में आग लगाकर नष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे गंदगी बढ़ रही है तथा सूखा कचरा भी जलता है। कर्मी कचरे में आग लगाकर अन्य जगह झाड़ू लगाने चले जाते हैं। थाने जाने वाले मार्ग में लगे कचरे के ढेर में अब तक सुलगती आग की लपटें देखी गईं

रात में ही झाड़ू लगाने की मांग

वहीं नगर के लोगों की मांग है कि नगर परिषद द्वारा कचरे की सफाई व्यवस्था ठीक की जाए। सुबह के समय सड़कों पर झाड़ू लगाने से धूल उड़ती है, जिससे लोगों को परेशानी होती है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा कचरे की साफ-सफाई रात में ही कराई जाए और झाड़ू लगाई जाए, ताकि सुबह लोगों को धूल और धुएं से परेशानी न हो इस दौरान आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थीं। जबकि नियम यह है कि सुबह उठते ही लोगों को शुद्ध हवा मिलनी चाहिए, लेकिन नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा सड़कों पर फेंका गया कचरा न केवल गंदगी और दुर्गंध का कारण बन रहा है, बल्कि मवेशियों के लिए भी जान का दुश्मन बना हुआ है। क्योंकि एक जगह से दूसरी जगह कचरा फेंकने के साथ लोग खाद्य सामग्री सहित सब्जी की सामग्री फेंक देते हैं, जिन्हें खाकर मवेशियों की जान पर बन सकती है।

इसकी जांच करवाई जाएगी

इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ प्रेम सिंह चौहान का कहना है कि सफाई कर्मी कचरा नहीं जला सकते हैं। यदि नियमों को ताक पर रखकर सफाई कर्मियों द्वारा कचरा जलाया जाता है तो यह गलत है। मैं इसकी जांच करवाता हूं।

न्यूज विंडो

संत नामदेव जयंती का धूमधाम से आयोजन, वरिष्ठों का किया सम्मान



नरसिंहपुर। विगत दिवस 22 नवंबर दिन रविवार को संत नामदेव जी की जयंती का आयोजन स्थानीय शगुन गार्डन में किया गया। जिसमें स्वजातीय बंधुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सर्वप्रथम संत नामदेव जी के पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, तत्पश्चात समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया। विशेष सम्मान डॉ. रमेश नामदेव (धमना) व कवि एवं साहित्यकार श्री विजय नामदेव (बेशर्म) गाडरवारा का किया गया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई साथ ही चित्रकला, रंगोली, मेंहदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सभी विजयी प्रतिभागियों को पारितोषिक व सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गये। इस अवसर पर श्री विवेक नामदेव गोटेगांव की विशेष उपस्थिति रही। महिला मंडल द्वारा सामूहिक नृत्य ने कार्यक्रम में शमा बांध दिया। कार्यक्रम का सफल संचालन सचिव नीलेश नामदेव व आभार प्रदर्शन नगर अध्यक्ष राजा नामदेव शिक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेन्द्र नामदेव (शिक्षक), प्रदीप नामदेव, नीलेश नामदेव, रीतेश नामदेव, नितिन नामदेव, गौरव नामदेव, आकाश नामदेव, विनोद नामदेव एवं महिला समिति सहित समाज के सभी वर्ग का योगदान रहा। पूरे कार्यक्रम का मार्गदर्शन उपाध्यक्ष प्रदीप नामदेव व कोषाध्यक्ष राजेन्द्र नामदेव शिक्षक द्वारा किया गया।

132 केवी उपकेंद्र तेजगढ़ से 33 केवी झलोन फीडर चार्ज, 14,300 उपभोक्ताओं को लाभ

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र के घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज और बिना रुकावट के बिजली देने के लिए रविवार शाम 6 बजे 132 केवी उपकेंद्र तेजगढ़ से नए 33 केवी झलोन फीडर को सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। इस नए फीडर का निर्माण केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत कराया गया है। पहले 33 केवी तेजगढ़ फीडर से 33/11 केवी उपकेंद्र तेजगढ़, हिनौती, इमलिया घाट और झलोन संचालित हो रहे थे। तेजगढ़ फीडर की लंबाई करीब 40 किलोमीटर होने के कारण क्षेत्र में लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली बाधित होने की समस्या बनी रहती थी। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए आरडीएसएस योजना के तहत तेजगढ़ फीडर का बाइफरकेशन करके नया 33 केवी झलोन फीडर बनाया गया है। नए झलोन फीडर के शुरू होने से क्षेत्र के कुल 14,300 उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। अब झलोन, हिनौती, इमलिया घाट सहित आसपास के गांवों में बेहतर वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली मिलेगी। फीडर पर भार बंटने से ट्रिपिंग की समस्या भी कम होगी और किसानों को सिंचाई के लिए समय पर बिजली मिल सकेगी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नया फीडर शुरू होने से लाइन लॉस में भी कमी आएगी और मेंटेनेंस का काम भी तेजी से हो सकेगा। किसी एक जगह फॉल्ट आने पर अब पूरे फीडर की बिजली बंद नहीं होगी

बीच चौराहे पर टूटा पड़ा डिवाइडर का आधा हिस्सा, बड़े हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन



तेंदूखेड़ा। नगर के बीचों-बीच, सबसे व्यस्त चौराहे पर मौत का सामान बिखरा पड़ा है। सीमेंट से बना डिवाइडर का भारी-भरकम हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गया है। यहां से एक मार्ग खकरिया की ओर जाता है, दूसरा नगर के मुख्य बाजार की ओर। चंद कदम की दूरी पर बस स्टैंड है, जहां दिनभर यात्री बसों का आवागमन बना रहता है। कुछ ही दूरी पर पुलिस थाना और एसडीओपी कार्यालय भी स्थित है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग की नजर इस ओर नहीं गई, यह अपने आप में बड़ा सवाल है। टूटे डिवाइडर का आधा हिस्सा सड़क किनारे पड़ा हुआ है। आए दिन बाइक सवार हादसे के शिकार होने से बाल-बाल बच रहे हैं। वाहन चालक जल्दबाजी में कट से क्रॉस करते हैं, जिससे हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। अभी मटर का सीजन चल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों से दर्जनों पिकअप एवं लोडिंग वाहन मजदूरों को लेकर मटर तोड़ने जबलपुर जिले के पाटन क्षेत्र जाते हैं और शाम को वापस लौटते हैं। मजदूरों से भरे ये वाहन तेज गति से इस मार्ग से निकलते हैं। यदि इन वाहनों का एक टायर भी टूटे डिवाइडर से टकराया, तो मजदूरों से भरा वाहन पलटने की आशंका बनी रहती है। बड़ी संख्या में मजदूर देर रात तक अपने घरों की ओर लौटते हैं। अंधेरे में सड़क पर पड़ा यह भारी-भरकम सीमेंट का टुकड़ा किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है। वहीं सुबह-शाम स्कूली बच्चे भी इसी मार्ग से गुजरते हैं। यह मार्ग सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे-15 है, जो तेंदूखेड़ा नगर के बीचों-बीच से होकर गुजरता है।

हर्रई पांजी में राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने किया भूमिपूजन

तीन करोड़ की लागत से बनेगा शौर्य पार्क, अवंति बाई की प्रतिमा लगेगी

राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह की स्थापित होंगी प्रतिमाएं, राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर की प्रतिमा लगाने की भी घोषणा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से करीब एक किलोमीटर दूर गुरैया नदी के समीप ग्राम हर्रई पांजी में तीन करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले शौर्य स्थल संग्रहालय एवं शौर्य पार्क का भूमिपूजन रविवार को राज्यमंत्री एवं जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी ने किया। इस शौर्य पार्क में अमर वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी, अमर शहीद राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमाएं उनकी गौरवशाली अमर गाथाओं के साथ स्थापित की जाएंगी।

तीन करोड़ का पूरा ब्यौरा मंच से रखा

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने शौर्य पार्क के निर्माण पर खर्च होने वाली तीन करोड़ रुपए की राशि का पूरा ब्यौरा जनता के सामने रखा। उन्होंने बताया कि पार्क में रेलिंग निर्माण के लिए 70 लाख रुपए, पार्किंग एवं पाथवे के लिए 18 लाख रुपए, गार्डन निर्माण के लिए 30 लाख रुपए, स्टोन बेंच,



डस्टबिन एवं बोरवेल के लिए सात लाख रुपए तथा विद्युतीकरण के लिए 14 लाख रुपए सहित विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह स्थल आने वाले समय में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। यहां लोग प्राकृतिक वातावरण में गार्डन का आनंद लेने के साथ ही अपने अमर शहीदों के इतिहास और बलिदान को भी याद कर सकेंगे। निर्माण में यदि कोई कमी रह जाती है तो भविष्य में अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

युवाओं को इतिहास बताना जरूरी

राज्यमंत्री ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को हमारे अमर शहीदों के नाम और उनके योगदान की जानकारी कम है, जबकि फिल्मी कलाकारों के नाम अधिक याद रहते हैं। हमें अपने महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम के वीरों के इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है सत्येंद्र सिंह लोधी ने कहा कि शौर्य पार्क का उद्देश्य सर्वसमाज को आपस में जोड़ना है। अमर शहीद किसी एक समाज के नहीं, बल्कि पूरे देश और सभी समाजों के होते हैं। यह स्थल तीन महापुरुषों को समर्पित है, लेकिन संग्रहालय में अन्य महापुरुषों को भी स्थान देने का प्रयास किया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ले सके।

अहिल्यादेवी की प्रतिमा की घोषणा

कार्यक्रम में पाल समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैतान सिंह पाल ने शौर्य पार्क में राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी, जिस पर राज्यमंत्री ने मंच से प्रतिमा स्थापित कराने की घोषणा की जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल और अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष जयसिंह कड़प्पा ने भी विचार व्यक्त किए।

ओवरलोड तूफान की छत पर बैठे तीन युवक टर्न पर नीचे गिरे, गंभीर घायल



बाग। दोपहर मेट्रो

जिले के बाग थाना क्षेत्र में झाबा-बाग मार्ग पर ओवरलोड तूफान वाहन की छत पर बैठकर सफर कर रहे तीन युवक हादसे का शिकार हो गए। मोड़ पर टर्न लेते समय तीनों युवक चलते वाहन से नीचे गिर गए। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बड़वानी रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेसरा निवासी दिनेश मंडलोई, केरू सिंह और नारू सिंह कपास बेचने के लिए बाग आ रहे थे। तीनों ओवरलोड तूफान वाहन की छत पर बैठे हुए थे। इसी दौरान ग्राम झाबा और बाग के बीच मोड़ पर सामने से एक बाइक आ गई। टर्न लेते समय वाहन की छत पर बैठे तीनों युवक संतुलन नहीं संभाल पाए और नीचे गिर पड़े। हादसे के बाद तूफान वाहन चालक तीनों घायलों को सड़क पर ही छोड़कर वहां से रवाना हो गया। बाद में एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाग पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बड़वानी रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले में वाहन चालक की तलाश कर रही है।

पीजी कॉलेज महिला फुटबॉल टीम और सीनियर पुरुष टीम के बीच हुआ मैच



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

पीजी कॉलेज नरसिंहपुर एवं सहकार सामाजिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नगर में पहली बार पीजी कॉलेज की महिला फुटबॉल टीम और 50 वर्ष से अधिक आयु के सीनियर पुरुष खिलाड़ियों के बीच मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच आयोजित किया गया। मुकाबले में वरिष्ठ खिलाड़ियों के अनुभव और युवा महिला खिलाड़ियों के उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला।

मैच के दौरान वरिष्ठ खिलाड़ियों ने महिला खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों से अवगत कराते हुए आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि इंजीनियर सुनील कोठारी एवं विक्रांत पटेल ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। सहकार सामाजिक संस्था के अध्यक्ष अनुराग जी ने खिलाड़ियों के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की। उल्लेखनीय है कि पीजी कॉलेज पिछले चार वर्षों से महिला फुटबॉल टीम को प्रोत्साहित कर रहा है। क्रीड़ा अधिकारी अर्पित सक्सेना के प्रयासों एवं कोच दीपचंद कहार के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष 7 से 8 छात्राएं विश्वविद्यालय स्तर तथा 1 से 2 छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।त्राएं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। सीनियर टीम की कप्तानी पूर्व ख्यातिलब्ध खिलाड़ी प्रशांत विश्वकर्मा ने की, जबकि उपकप्तान मनीष कटारे रहे। मैत्री मैच सप्ताह या पंद्रह दिन में नियमित रूप से आयोजित करने का सुझाव दिया।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में देरी पर कलेक्टर सख्त

प्राथमिकता पर दें ध्यान, लंबित प्रकरणों की प्रतिदिन मॉनिटरिंग के निर्देश

धार। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने सोमवार को समयावधि पत्रों एवं सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने और प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक में जनविश्वास अभियान के तहत सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि प्रतिदिन प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनकी प्रकृति के अनुसार समाधान किया जाए। सभी विभाग नियमित रूप से शिकायतों की प्रगति पर नजर रखें। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की सुरक्षा



को लेकर कलेक्टर ने आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करने के निर्देश दिए। इसके लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने, टोल फ्री नंबर जारी करने और प्रतिदिन निगरानी करने को कहा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को लाड़ली बहना योजना के अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने तथा जनजातीय कार्य विभाग को प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों में कार्रवाई के निर्देश दिए। छात्रवृत्ति के लिए पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की नियमित मॉनिटरिंग करने और लापरवाही पर संबंधित संकुल प्राचार्यों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अखिलेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर संजीव केशव पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर पिंजरे में फंसा दूसरा सियार टाइगर रिजर्व में छोड़ा, 15 दिन में आधा दर्जन से ज्यादा लोग हो चुके हैं घायल

इमलीडोल में पागल सियार का आतंक जारी, असली हमलावर पकड़ से बाहर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले इमलीडोल गांव एवं आसपास के गांवों में इन दिनों सियार की दहशत बनी हुई है। एक पागल सियार अब तक कई ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें काटकर घायल कर चुका है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग ने हमलावर सियार को पकड़ने के प्रयास शुरू किए। इसी क्रम में रविवार को वन विभाग की टीम ने इमलीडोल गांव में पिंजरा लगाया। हालांकि कई ग्रामीणों को काटने वाला सियार अभी तक पकड़ में नहीं आया, लेकिन पिंजरे में एक दूसरा सियार फंस गया। टीम ने उसे सुरक्षित तरीके से पकड़कर वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में छोड़ दिया वनरक्षक अभिषेक मोदी ने बताया कि पिंजरे में पकड़ा गया सियार वह नहीं है, जिसने ग्रामीणों पर हमला किया था। लोगों को काटने वाला पागल सियार अभी भी पकड़ से बाहर है। हमलावर सियार को पकड़ने के लिए वन विभाग की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।



15 दिन में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

इमलीडोल क्षेत्र में 15 दिन के भीतर आधा दर्जन से अधिक लोगों पर सियार द्वारा हमला किए जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा मवेशियों एवं कुत्तों पर भी हमला किया गया है। कई लोगों पर सियार दौड़ा, लेकिन वे किसी तरह बच गए। 29 अक्टूबर को जरुआ निवासी किसान शंकर सिंह गौड़ पर हमला हुआ। 17 नवंबर को नगर के वार्ड क्रमांक 9 में छतरी नाथ पर सियार ने हमला किया। 18 नवंबर को इमलीडोल गांव में सियार ने पति-पत्नी सूरजरानी गौड़ और छानी गौड़ को घायल कर दिया। इसके दूसरे दिन 19 नवंबर को भगवानदास यादव और मुन्ना यादव पर हमला हुआ। कुछ लोगों ने गांव में ही देशी इलाज कराने की बात भी सामने आई है।

क्षेत्र में लगातार बढ़ रही घटनाएं

इमलीडोल के अलावा जरुआ हाथीडोल बगदरी महगवां, सेलवाड़ा सहजपुर सहित कई गांवों में भी सियार के हमले की घटनाएं हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों कई सियार पागल हो गए हैं, जो इंसानों के साथ-साथ मवेशियों और पालतू जानवरों पर भी हमला कर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से जंगल में गश्त बढ़ाने और पागल सियारों को पकड़ने की मांग की है

वन विभाग ने की सतर्क रहने की अपील

वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले जंगल की ओर न जाएं, खेतों में रात के समय विशेष सतर्कता बरतें और समूह में ही आवागमन करें। यदि किसी को पागल सियार दिखाई दे या वह गांव के आसपास घूमता नजर आए, तो तुरंत वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते उसे पकड़ा जा सके और बड़ी घटना को रोका जा सके। ग्रामीणों ने वन विभाग से जल्द से जल्द हमलावर सियार को पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

बाबर बोले-मैदान पर 100 फीसदी दो, बाहरी शोर को नजरअंदाज करो



कराची। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम का मानना है कि एक खिलाड़ी को मैदान और अभ्यास सत्र में अपना 100 फीसदी योगदान देना चाहिए और बाहरी आलोचनाओं की परवाह नहीं करनी चाहिए। उनका कहना है कि दूसरों की राय पर नियंत्रण रखना किसी के हाथ में नहीं होता, लेकिन मैदान पर अपने प्रदर्शन और टीम की जीत के लिए प्रयास करना खिलाड़ी के अपने हाथ में है। पाकिस्तान के सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले क्रिकेटरों में शामिल बाबर आजम लगातार आलोचनाओं और प्रदर्शन के विश्लेषण का सामना करते रहते हैं। इसके बावजूद उन्होंने बाहरी बातों से प्रभावित हुए बिना अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना सीख लिया है। डेजर्ट वाइपर्स की ओर से डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 2026 में खेलने जा रहे बाबर आजम ने पीटीआई से विशेष बातचीत में कहा, 'जब भी मैं खेलता हूं, चाहे पेशेवर क्रिकेट हो या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट, मेरा पूरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं कैसा प्रदर्शन करूं, अपनी टीम को मैच जिताने में कैसे योगदान दूं।'

शतरंज विश्व चैंपियनशिप... आज से शुरू होगा 14 बाजियों का मुकाबला



नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया में विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला हमेशा से खेल के साथ-साथ विवादों, आरोपों और बयानबाजी के लिए भी चर्चा में रहा है। हालांकि, इस बार भारत के मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव के बीच होने वाली खिताबी भिड़ंत अब तक बिना किसी खास शोर-शराबे के आगे बढ़ रही है। आज से स्विट्जरलैंड के जिनेवा में शुरू होने वाले इस मुकाबले को लेकर फिलहाल खेल जगत में वैसी हलचल नहीं दिख रही, जैसी पिछली विश्व चैंपियनशिप में देखने को मिली थी। इस बार मुकाबले का सबसे दिलचस्प पहलू दोनों खिलाड़ियों की मौजूदा स्थिति है। एक तरफ 20 वर्षीय गुकेश अपने विश्व चैंपियन के खिताब को बरकरार रखने उतरेंगे, तो दूसरी ओर शानदार फॉर्म में चल रहे सिंदारोव पहली बार विश्व चैंपियन बनने के इरादे से चुनौती पेश करेंगे।

आईपीएल... एमएस के संन्यास से भावुक हुए ईशान किशन, बोले-

धोनी देश के लिए जो किया, वो बहुत कम लोग कर पाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ की। धोनी के आईपीएल से संन्यास लेने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए ईशान ने कहा कि भले ही यह प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए भावुक पल है, लेकिन देश के लिए धोनी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। ईशान ने कहा कि धोनी ने अपने खेल और नेतृत्व से कई पीढ़ियों के युवा क्रिकेटरों को प्रेरित किया है। उन्होंने देश के लिए जो किया है, वैसा योगदान बहुत कम खिलाड़ी दे पाए हैं।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान ईशान किशन ने कहा, 'उन्होंने संन्यास ले लिया है। मुझे पता है कि उनके लिए यह सही समय था और उन्हें लगा कि अब यही सही फैसला है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सभी समझते हैं कि उन्होंने





इस देश को कितना कुछ दिया है। उन्होंने जिस तरह क्रिकेट खेला और युवा खिलाड़ियों को जितना प्रेरित किया, वह सबसे अहम है।' ईशान ने आगे कहा, 'जब उन्होंने संन्यास लिया तो जाहिर तौर पर सभी को बुरा लगा, लेकिन अब भी हम उन्हें मैदान पर और टीवी पर देख सकेंगे। उन्होंने देश के लिए जो किया है, उससे बहुत खुशी होती है। शायद बहुत कम खिलाड़ी ऐसा कर पाए हैं।'

आईपीएल में धोनी का 17 साल का शानदार सफर खत्म

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने 17 नवंबर को आधिकारिक तौर पर घोषणा की थी कि महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2027 से पहले टीम के मेंटर की नई भूमिका निभाएंगे। इस फैसले के साथ ही आईपीएल में उनके शानदार खिलाड़ी करियर का अंत हो गया। धोनी आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 से इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे। वह लंबे समय तक चेन्नई सुपर किंग्स की पहचान बने रहे। कप्तान, फिनिशर और बेहतरीन विकेटकीपर के तौर पर उन्होंने आईपीएल में अपनी अलग पहचान बनाई। 45 वर्षीय धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने पांच बार आईपीएल का खिताब जीता।

धोनी की कप्तानी में सीएसके बनी आईपीएल की सबसे सफल टीमों में से एक

धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने टीम में अनुभव, भरोसे और दबाव में शांत रहने की संस्कृति विकसित की। उनकी कप्तानी की सबसे बड़ी खासियत खिलाड़ियों पर भरोसा जताना और मुश्किल परिस्थितियों में उनसे बेहतर प्रदर्शन करवाना रही। हालांकि, आईपीएल के 2016 और 2017 सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स पर प्रतिबंध लगने के कारण धोनी राइजिंग पुणे सुपरजायंट की ओर से खेले थे। 2018 में चेन्नई की वापसी के साथ ही धोनी ने टीम को फिर से चैंपियन बना दिया।

भारत बनाम न्यूजीलैंड....चोट बनी वजह, रिप्लेसमेंट का ऐलान

कीवी टीम को लगा झटका, तेज गेंदबाज टिकनर हुए बाहर

वेलिंगटन, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले मेजबान टीम को बड़ा झटका लगा है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उन्हें ट्रेनिंग सेशन के दौरान दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को उनके बाहर होने की जानकारी देते हुए मैट फिशर को टीम में शामिल करने का एलान किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी जानकारी

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ब्लेयर टिकनर को इसी सप्ताह वेलिंगटन में अभ्यास के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद उनकी फिटनेस का आकलन किया गया और उन्हें भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अनुपलब्ध घोषित कर दिया गया। टिकनर की चोट कितनी गंभीर है और उन्हें मैदान पर वापसी करने में कितना समय लगेगा, इसका पता लगाने के लिए मंगलवार को क्राइस्टचर्च में उनकी आगे की जांच की जाएगी। टिकनर की जगह मैट फिशर को न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। फिशर हाल ही में भारत के खिलाफ खेली गई टी20 और वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड की टीम का हिस्सा थे। वह अब क्राइस्टचर्च में टीम के साथ जुड़ेंगे। फिशर को दूसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में भी मौका मिल सकता है।भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पहला टेस्ट वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेला गया था, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 720 रन बनाकर पारी घोषित



की थी। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। इसके बाद दूसरी पारी में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने शानदार संघर्ष दिखाया। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने भारतीय गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसा दिया। दोनों बल्लेबाजों की जुझारू पारियों के चलते न्यूजीलैंड ने मुकाबला ड्रॉ करा लिया। भारतीय टीम को आखिरी दिन जीत के लिए आठ विकेट की जरूरत थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके।पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों को भारतीय बल्लेबाजों के सामने काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में दूसरे टेस्ट से पहले टिकनर का बाहर होना टीम के गेंदबाजी संयोजन के लिए चुनौती बन सकता है। खासकर जैकब डफी के महंगे साबित होने के बाद टिकनर को दूसरे मुकाबले में मौका मिलने की संभावना थी।भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल मैदान पर खेला जाएगा। पहला मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद दोनों टीमें इस मैच को जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करना चाहेंगी।

वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ होने पर भड़के वेंकटेश, चयन पर दागे सवाल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ होने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने टीम इंडिया की रणनीति और प्लेइंग इलेवन के चयन पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने भारतीय टीम के रक्षात्मक रवैये को निराशाजनक बताते हुए कहा कि गलत टीम चयन के कारण भारत को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल में पहुंचने का मौका गंवाना पड़ सकता है।भारतद्य ने वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में पहली पारी 720/9 रन बनाकर घोषित की थी। इसके बावजूद भारतीय टीम जीत दर्ज करने में नाकाम रही। मैच के आखिरी दिन भारत ने न्यूजीलैंड के 119 रन पर दो विकेट गिरा दिए थे, लेकिन इसके बाद मेजबान टीम ने शानदार धैर्य दिखाया और दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 239/5 रन बना लिए। इस तरह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।मैच के नतीजे के बाद वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ इस साल खेले गए दूसरे टेस्ट मैच का भी जिक्र किया, जहां भारतीय टीम फॉलोऑन देने के बावजूद विपक्षी टीम के सभी 20 विकेट नहीं ले सकी थी।

सनसनीखेज खुलासे....

सैंडपेपरगेट विवाद में वॉर्नर का नाम उछला

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास के सबसे विवादित अध्याय 2018 के बॉल टैंपरिंग कांड को लेकर एक बार फिर सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। पूर्व बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और कैमरन बैनक्रॉफ्ट के दावों के बाद अब पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर भी इस विवाद के केंद्र में आ गए हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई ने एक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ब्रॉडकास्टर की रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि बॉल टैंपरिंग की योजना में वॉर्नर की अहम भूमिका थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि विवाद सामने आने के बाद टीम होटल में उनकी ऑलराउंडर मिचेल मार्श से तीखी बहस भी हुई थी।

2018 में यह हुआ था

साल 2018 में ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर थी। उस समय स्टीव स्मिथ टीम के कप्तान और डेविड वॉर्नर उपकप्तान थे। केपटाउन में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान कैमरन बैनक्रॉफ्ट सैंडपेपर से गेंद की स्थिति बदलने की कोशिश करते हुए कैमरे में कैद हुए थे। इसके बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर 12 महीने का प्रतिबंध लगाया था, जबकि बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था। स्मिथ और वॉर्नर पर आजीवन नेतृत्व प्रतिबंध भी लगाया गया था।



ख्वाजा की किताब से फिर सुर्खियों में आया विवाद

इस पूरे विवाद ने एक बार फिर उस समय तूल पकड़ा, जब उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा 'सब्र' में दावा किया कि गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी सिर्फ स्मिथ, वॉर्नर और बैनक्रॉफ्ट को नहीं थी, बल्कि टीम के कई अन्य खिलाड़ियों को भी इसकी जानकारी थी। ख्वाजा ने टीम से सामूहिक जिम्मेदारी लेने की मांग की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पोर्ट एलिजाबेथ (अब ग्केबेरहा) में खेले गए पिछले टेस्ट में भी गेंद से छेड़छाड़ की गई थी। इसके अलावा 2017-18 की एशेज सीरीज के दौरान भी गेंद की सीम के साथ छेड़छाड़ कर रिवर्स स्विंग हासिल करने की कोशिश की गई थी।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

'पेद्दी' के विवाद पर बोलीं श्रुति हासन-मैं कंफर्टेबल नहीं...

'पेड्डी' की रिलीज के बाद से फिल्म में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के सीन फिल्माये जाने पर काफी विवाद हुआ था। इसी फिल्म के एक डांस नंबर श्रुति हासन, राम चरण और जाह्नवी कपूर थे। अब कमल हासन की बेटी ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म में विशेष भूमिका निभाने के लिए रजामंद क्यों हुई। अभिनेत्री श्रुति हासन ने डांस और उसमें खुद को फिल्माये जाने पर गलाटा प्लस से बात की। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यह सवाल पूछा है कि फिल्मों में विशेष डांस सीन्स की क्या जरूरत होती है। मुझे नृत्य करना पसंद है, मैं यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं। मुझे सजने-संवरने में भी आनंद आता है। और यही मेरा नजरिया है। विशेष सीन्स



के प्रति मेरा दृष्टिकोण मेरे लिए बहुत ही आसान रहा है। मैं कभी भी किसी भी रूप में किसी की चापलूसी करने वाली नहीं रही हूं। इसलिए, जब मुझे किसी चीज से असहजता होती है, तो मैं कह देती हूं कि मैं इसे नहीं पहनूंगी। अगर मुझे असहजता होती है, तो मैं वह नहीं करूंगी। इस बारे में मेरी बहस भी हुई है। इस वजह से मेरी आलोचना भी हुई है। मगर मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'

अपनी बातचीत में आगे श्रुति हासन ने कहा, मैं इस विषय पर हो रही चर्चा को समझती हूं। लेकिन सच कहूं तो, मेरा नजरिया यह है। मुझे डांस करने में आता है, मुझे कोरियोग्राफी करने में मजा आता है, मुझे बोल्ड दिखने में मजा आता है। यह किसी तरह की चापलूसी भरी नजर से नहीं है। क्या यह सिर्फ आइटम सॉन्ग में ही होता है? मेरा मतलब है, हम कई तरह से चापलूसी कर सकते हैं।

जान्हवी ने 'पेद्दी' विवाद पर रखा पक्ष

बीते दिनों अभिनेत्री जान्हवी कपूर 'कॉफी विद करण' में महमान बनकर पहुंची थीं। वहां उन्होंने 'पेद्दी' विवाद पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, 'इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को देखकर मेरी मन को गहरा दुख होता है। यह शर्मिंदगी मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और सतर्क हो सकती थी? बिल्कुल हां। क्या इसने महिलाओं को गलत तरह दिखाया? हां। लेकिन मैं सिर्फ इतना कर सकती हूं कि यह ध्यान रखूंगी कि ऐसा दोबारा न हो।'



मेट्रो बाजार

महंगे हुए टीवी और स्मार्टफोन, सैमसंग-शाओमी ने 18.75% तक बढ़ाए दाम

नई दिल्ली। दिवाली के बाद इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की कीमतें फिर बढ़ने लगी हैं। कई कंपनियों ने स्मार्टफोन, टेलीविजन और घरेलू उपकरणों के दाम बढ़ा दिए हैं। सैमसंग और शाओमी ने अपने कई स्मार्टफोन मॉडल की कीमतों में 18.75 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें 15-16 नवंबर से लागू हो गई हैं। सैमसंग गैलेक्सी ए 07 5जी (4जीबी+128जीबी) की कीमत 20,999 रुपये से बढ़कर 22,999 रुपये हो गई है। इसी तरह शाओमी रेडमी ए7 प्रो 5जी (4जीबी+128जीबी) की कीमत 15,999 रुपये से बढ़ाकर 18,999 रुपये कर दी गई है। इसके दाम में 3,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। सैमसंग गैलेक्सी ए57 और शाओमी रेडमी नोट 17 प्रो 5जी के चुनिंदा वेरिएंट भी 4,000 रुपये तक महंगे हुए हैं। उद्योग जगत के अधिकारियों का अनुमान है कि 2026 में स्मार्टफोन की कुल कीमतों में बढ़ोतरी 40%से अधिक, टीवी में 20% और घरेलू उपकरणों में 15 से 20% तक पहुंच सकती है। कंपनियों को अब लागत नियंत्रण पर ध्यान देना होगा।शाओमी ने टेलीविजन की कीमतों में 7%तक इजाफा किया है। वहीं, हायर और गोदरेज ने भी अपने उत्पादों के दाम 7%?तक बढ़ाए हैं। एलजी, सैमसंग और डाइकिन जैसी कंपनियां दिवाली से पहले ही कुछ श्रेणियों में पांच से 10%तक कीमतें बढ़ा चुकी थीं। सैमसंग ने अपने 43 से 75 इंच के टीवी की कीमतों में 1,000 से 10,000 रुपये तक क्ह्याह्यी बढ़ोतरी की थी।

चावल के निर्यात पर 30 फीसदी तक शुल्क लगाने की तैयारी, अगले महीने फैसला संभव

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में चावल की बढ़ती कीमतों और महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार गैर-बासमती चावल के निर्यात पर अंकुश लगाने पर विचार कर रही है। अंतरराष्ट्रीय चावल भाव और भारत की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को देखते हुए सरकार गैर-बासमती सफेद चावल पर 30% निर्यात शुल्क लगाने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, यदि शुल्क 20% भी लगाया जाता है, तो भी भारत निर्यात जारी रख सकेगा क्योंकि थाईलैंड और वियतनाम के भाव ऊंचे हैं और केवल पाकिस्तानी चावल का भाव ही कम रहेगा।



सूत्रों के मुताबिक, अगले महीने से निर्यात शुल्क के साथ न्यूनतम निर्यात मूल्य लागू किया जा सकता है, जबकि अस्थायी निर्यात प्रतिबंध को अंतिम विकल्प के रूप में रखा गया है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि यदि प्रतिबंध की नौबत आती भी है, तो वह अस्थायी होगा, 2023 के उस प्रतिबंध की तरह नहीं, जो 14 महीने तक चला था।खाद्य महंगाई पिछले महीने अक्तूबर में बढ़कर 8.94% पर पहुंच गई, जो सितंबर में 7.74 % थी। अनाज श्रेणी में चावल की महंगाई लगातार चढ़ रही है। जून में 1.72% और जुलाई में 3.30% से बढ़ते हुए यह अगस्त में 5.89%, सितंबर में 8.27% और अक्तूबर में 12.51% पर पहुंच गई। अक्तूबर में चावल महंगाई कर्नाटक 43.2%, आंध्र 25.7%, तेलंगाना 24.6%, तमिलनाडु 17.4% और केरल 9.4% रही। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने करीब 51,500 करोड़ रुपये मूल्य का 150.4 लाख टन गैर-बासमती चावल निर्यात किया था। कई राज्यों में कम बारिश के कारण 2026-27 में धान का खरीफ रकबा करीब चार फीसदी घटकर 426.8 लाख हेक्टेयर रहने का अनुमान है।

एमी अवाड्र्स...सर्वश्रेष्ठ अभिनेता बने बॉबी स्कोफील्ड, मोना मीना को भी मिला खिताब

नई दिल्ली। टेलीविजन की सबसे बड़ी ग्लोबल नाइट्स में से एक 54वें इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स आयोजित किए गए। यह एक ऐतिहासिक साल रहा, जिसमें 26 देशों की 16 श्रेणियों में रिकॉर्ड 64 दावेदार शामिल थे। भारत की ओर से दो शो 'वीर दासः फूल वॉल्यूम' और 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' इसमें शामिल हैं।

यह अवार्ड सेरेमनी 24 नवंबर को न्यूयॉर्क हिल्टन मिडटाउन में हुई। मशहूर अभिनेता माइकल उरी ने इसे होस्ट किया। साउथ के स्टार विजय सेतुपति इवेंट में एक अवॉर्ड के प्रेजेंटर बने।

भारत के हाथ आई निराशा





एमी अवॉर्स में भारत से वीर दास के शो 'वीर दासः फूल वॉल्यूम' को कॉमेडी कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया। 2021 में 'फॉर इंडिया' और 2023 में 'लैंडिंग' के बाद यह उनका तीसरा नॉमिनेशन है। हालांकि वीर दार को ये अवॉर्ड नहीं मिला। 'बेस्ट कॉमेडी' अवार्ड के लिए अर्जेंटीना की 'डिवीजन पलेर्मो- सीजन 2' को चुना गया।'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' अवॉर्ड से चूका

भारत को दूसरा नामांकन 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' के लिए ड्रामा सीरीज कैटेगरी में मिला। इस शो में मानव कौल और मोहम्मद जीशान अय्यूब मुख्य भूमिकाओं में हैं। हालांकि इसे 'बेस्ट ड्रामा सीरीज' का पुरस्कार नहीं मिला। 'कारेम' इस श्रेणी का विजेता रहा।

जर्मनी...क्रिसमस के लिए बाजार में बिखरी रौनक



फ्रैंकफर्ट, जर्मनी। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में पारंपरिक क्रिसमस बाजार की रौनक देखते ही बन रही है। रंग-बिरंगी रोशनी और उत्सवी माहौल के बीच एक बच्ची घोड़े के आकार वाले झूले पर सवारी का आनंद ले रही है। क्रिसमस बाजार में लगे ऐसे आकर्षक झूले बच्चों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

सैटेलाइट डेटा से खुलासा: बड़े पैमाने पर चल रहा है निर्माण कार्य

अरुणाचल सीमा से 40 किमी दूर चीन बना रहा बांध, नदी मोड़ने की भी तैयारी

गुवाहाटी। एजेंसी

चीन अरुणाचल प्रदेश के पास यारलुंग त्सांगपो पर 60 गीगावाट की मेडोग जलविद्युत परियोजना का निर्माण कार्य कर रहा है। ये निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर चल रहा है और काफी आगे बढ़ चुका है। इस बात का खुलासा आईआईटी दिल्ली के एफआईटीटी में इनक्यूबेट हुए एक भारतीय जियोस्पेशियल एआई डीप टेक स्टार्टअप द्वारा किए गए सैटेलाइट इमेजरी के नए विश्लेषण में हुआ है।

टीओआई की रिपोर्ट में अर्थसेंस लैब्स के सार्वजनिक मूल्यांकन के हवाले से बताया गया कि मुख्य बांध स्थल से पूरे के पूरे गांवों को हटा दिया गया है, नदी का रुख मोड़ने का काम साफ दिखाई दे रहा है और अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास भारी औद्योगिक ढांचा खड़ा किया गया है। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में 11,200 मेगावाट की सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट का प्रस्ताव रखा है। परियोजना से जुड़े लोगों का कहना है कि एसयूएमपी का उद्देश्य चीनी परियोजना के कारण नदी के निचले बहाव पर पड़ने वाले असर को कम करना है। यह चीनी परियोजना मैकमोहन रेखा के करीब अरुणाचल प्रदेश के उत्तर में लगभग 40 से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अर्थसेंस की रिपोर्ट के अनुसार, सुरंग का निकास मेडोग काउंटी के आगे सीमा के पास स्थित है।



चीनी प्रोजेक्ट नदी में बनने वाला मल्टी स्ट्रक्चर बांध

सियांग नदी पर प्रस्तावित एसयूएमपी भारत में नदी के बहाव की दिशा में आगे स्थित होगा, जो सियांग, अपर सियांग और ईस्ट सियांग जिलों से होकर गुजरेगा। परियोजना को पेश करने वालों का अनुमान है कि इसके प्रस्तावित जलाशय में नौ अरब क्यूबिक मीटर पानी जमा हो सकेगा। यह चीनी परियोजना दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी के निचले हिस्से पर बनने वाला एक बहु-संरचना बांध सिस्टम होगा। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें नदी के मशहूर ग्रेट यू-बेंड से होकर गुजरने वाली एक सुरंग और नदी के भारत में प्रवेश करने से पहले कई पावर स्टेशन व आउटलेट शामिल होंगे। रिपोर्ट में चार अहम जगहों और संपत्तियों का जिक्र है। मेनलिंग कस्बे के पास बड़ा बांध, जहां जुलाई 2025 के बाद बड़े पैमाने पर काम शुरू हो गया है। नामचा बरवा पर्वत से गुजरने वाली सुरंग और भारत-चीन सीमा के पास मेडोग काउंटी के आगे (नदी के बहाव की दिशा) एक सुरंग का निकास, जहां भी काम शुरू हो चुका है।

रिपोर्ट में यह आया

रिपोर्ट में कहा गया है, 'सुरंग के निकास क्षेत्र में विकास कार्य, शिलान्यास समारोह से पहले ही शुरू हो चुके हैं।' इस परियोजना की योजना 1.2 ट्रिलियन युआन (लगभग 168 अरब डॉलर) की अनुमानित लागत से पांच कैस्केड स्टेशनों के रूप में बनाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में नदी की 2,000 मीटर से अधिक की गिरावट का लाभ उठाने के लिए करीब 40 किलोमीटर लंबी सुरंगों का इस्तेमाल किया जाएगा। जुलाई 2025 की तस्वीरों पर आधारित अर्थसेंस लैब्स के अध्ययन से पता चला कि प्रस्तावित मेनलिंग हाई डैम वाली जगह पर गांव और खेत मौजूद थे। इसमें कहा गया है कि दिसंबर 2025 तक गांवों को खाली करा लिया गया था, खेतों को हटा दिया गया और मिट्टी का काम शुरू हो गया। अगस्त 2026 की तस्वीरों में नदी का रुख मोड़ने का काम पूरे गांवों को दूसरी जगह बसाने और उत्तरी किनारे पर नई सड़कें, अस्थायी आवास तथा कार्यालय की इमारतें बनने के संकेत मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2025 के बाद साइट की सफाई और मिट्टी का काम होगा और नदी के बहाव को मोड़ने का काम किया जाएगा।

न्यूज विंडो

महिला कलेक्टर से बदसलूकी: सीएम विजय को कांग्रेस ने घेरा



नई दिल्ली. एजेंसी। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने सोमवार को टीवीके विधायक सी. अरुल विग्नेश के खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की मांग की। यह मांग तब सामने आई जब ऐसी खबरें आईं कि कल्लाकुरिची की जिला कलेक्टर ने उनके खिलाफ पुलिस अधीक्षक के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। एक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए टैगोर ने मांग की कि संबंधित कानूनी धाराओं के तहत विधायक पर तुरंत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु सरकार से भी हस्तक्षेप करने और जिला कलेक्टर को न्याय दिलाने की अपील की। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'द हिंदू में छपी जानकारी चौंकाने वाली है। उन्होंने विधायक के खिलाफ कार्रवाई न होने के मुद्दे पर विजय से सवाल किया और पूछा कि क्या मुख्यमंत्री कोई कदम उठाएंगे या फिर महिलाओं की सुरक्षा के बजाय अपनी पार्टी के साथी को बचाना ही उनकी प्राथमिकता बनी रहेगी।

मेरठ: गंगा घाट पर युवक की बेरहमी से हत्या, 6 लोग घायल



मेरठ(मवाना). एजेंसी। खरकाली गंगा घाट पर ट्रैक्टर से स्टंट व हुड़दंग करने का विरोध करने पर खूनी संघर्ष हो गया। हमलावरों ने हॉकी, डंडे व लोहे की राड से युवक को बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बचाव को आए तीन महिलाएं समेत छह लोगों को घायल कर दिया। हमलावर शराब के नशे में थे।10 नामजद समेत 20 पर केस दर्ज किया गया है। कठौर थाना क्षेत्र के गांव तरबियतपुर जनूबी बागवाला निवासी बिजेंद्र सैनी पुत्र कृष्णपाल स्वजन के ट्रैक्टर-ट्राली से खरकाली गंगा घाट पर स्नान को गया था। गंगा मेले में तंबू लगाकर कस्बा परीक्षितगढ़ के होली चौकी निवासी कुछ लोग डेरा डाले हुए थे। आरोप है, वे गाली-गलौज करते तो कभी ट्रैक्टर से स्टंट कर रहे थे। हुड़दंग का बिजेंद्र ने विरोध किया तो आरोपित मारपीट पर उतारू हो गए। 15-20 लोगों ने बिजेंद्र को बुरी तरह मारा। अस्पताल में मौत हो गई। बचाने आई बिजेंद्र की पत्नी बबीता, रजत पुत्र बबली और रिश्तेदार विक्की पुत्र सूबे सिंह निवासी लावड़ को भी मारा। सभी घायल हैं।

टीआई को मंत्री का फोन..मुझे रस्सी से बांध रखा, छुड़ाने आओ

अंबिकापुर. एजेंसी। शहर में 50 लाख रुपए से अधिक की चोरी के मामले में पुलिस की सुस्त कार्रवाई से नाराज व्यापारियों ने मंत्री राजेश अग्रवाल के सामने शिकायत रखी। इस दौरान मंत्री ने कोतवाली थाना प्रभारी (टीआई) को फोन कर अनोखे अंदाज में तंज कसा। बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वीडियो में मंत्री टीआई से कहते सुनाई दे रहे हैं कि व्यापारियों ने मुझे रस्सी से बांधकर बैठा रखा है, आप मुझे छुड़ाने आइए। चोरी के आरोपी गिरफ्तार नहीं हो रहे हैं तो पहले आकर मुझे छुड़ाइए। इस पर टीआई ने दो दिन का समय मांगते हुए मामला सुलझाने का भरोसा दिया।

कुल्लू में भालुओं ने मधुमक्खियों के बॉक्स तोड़े, मचाया आतंक

रामपुर बुशहर। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड उपमंडल के बनशीरा गांव में तीन भालुओं की दस्तक से ग्रामीणों में डर का माहौल है। गांव में इन दिनों भालुओं की लगातार आवाजाही देखी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, ये जंगली जानवर दिन और रात दोनों समय गांव में घूम रहे हैं। भालुओं ने गांव में मधुमक्खियों के बॉक्स तोड़ दिए हैं। इसके अलावा गोशालाओं के दरवाजों पर भी पंजे मारकर खरोंचें लगाई हैं। लगातार हो रही इस गतिविधि से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

मधुमक्खियों के बॉक्स तोड़े, गोशालाओं को भी बनाया निशाना

ग्रामीणों के अनुसार, तीनों भालू गांव के आसपास लगातार घूम रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मधुमक्खी पालन के लिए रखे गए बॉक्स तोड़ दिए। वहीं, गोशालाओं के दरवाजों पर भी पंजों से खरोंचें मारी हैं। भालुओं की इस गतिविधि से ग्रामीणों को अपने घरों और पशुओं की सुरक्षा की चिंता सताने लगी है।

बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता

ग्रामीणों का कहना है कि भालुओं की मौजूदगी केवल रात तक सीमित नहीं है, बल्कि दिन के समय भी इन्हें गांव में घूमते देखा जा रहा है। ऐसे में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। लोगों को आशंका है कि यदि भालुओं की आवाजाही इसी तरह जारी रही तो किसी दिन कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

स्कॉर्पियो-ट्रक आमने-सामने टकराए बिहार में सड़क हादसे में पांच की मौत

लखीसराय। एजेंसी

बिहार के लखीसराय जिले में मंगलवार सुबह भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक मासूम बच्चे और महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेतरहट थाना क्षेत्र के गुनसागर गांव के पास लखीसराय-जमुई मुख्य मार्ग पर हुआ। यहां स्कॉर्पियो और सामने से आ रहे ट्रक के बीच जोरदार आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो चालक समेत पांच लोगों की जान चली गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार सभी लोग एक ही परिवार के थे और मोतिहारी जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं। मंगलवार सुबह स्कॉर्पियो लखीसराय-जमुई मुख्य मार्ग से गुजर रही थी। इसी दौरान गुनसागर गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए।



चार शव अस्पताल पहुंचे, चालक का शव गाड़ी में फंसा

हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक मासूम बच्चा और महिला भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल लखीसराय सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, चार मृतकों के शव लखीसराय सदर अस्पताल लाए जा चुके हैं। स्कॉर्पियो चालक का शव दुर्घटनाग्रस्त वाहन के अंदर बुरी तरह फंसा हुआ है। उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस और बचाव दल की ओर से प्रयास किया जा रहा है।

जयपुर: तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर तीन बार पलटी, एक की मौत



जयपुर। एजेंसी

राजधानी जयपुर में निवरू रोड बाइपास पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार तीन बार पलटी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक कार निवरू की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही थी। इसी दौरान कार डिवाइडर से टकरा गई और कई बार पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोग उछलकर बाहर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि कार में कुल छह लोग सवार थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

ऑक्सीजन के लिए गिड़गिड़ाते रहे परिजन; कुछ देर बाद चली गई जान, अस्पताल में हुआ हंगामा

जमशेदपुर। एजेंसी

झारखंड के जमशेदपुर स्थित डिमना के एमजीएम अस्पताल में कथित लापरवाही के चलते 53 वर्षीय मरीज की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि मरीज की हालत बिगड़ने पर उन्हें तत्काल ऑक्सीजन की जरूरत थी, लेकिन बार-बार गुहार लगाने के बावजूद समय पर ऑक्सीजन नहीं दी गई। मरीज काफी देर तक तड़पता रहा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और जिम्मेदार स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मृतक की पहचान कोवाली थाना क्षेत्र निवासी मिश्री मांझी के रूप में हुई है। उनकी बेटी रूपाली मांझी ने अस्पताल के कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

रूपाली मांझी के अनुसार, उनके पिता लंबे समय से गुर्दे की बीमारी से पीड़ित थे। उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा था। तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें लेकर एमजीएम अस्पताल पहुंचे। सोमवार को अस्पताल में स्वास्थ्यकर्मी मरीज के रक्त का नमूना ले रहे थे। इसी दौरान अचानक उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई। मरीज की हालत देखते हुए तत्काल ऑक्सीजन की जरूरत महसूस हुई। आरोप है कि परिजनों ने वार्ड में तैनात नर्स से कई बार ऑक्सीजन लगाने की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें समय पर मदद नहीं मिली। परिजनों का आरोप है कि नर्स ने यह कहकर ऑक्सीजन लगाने से इनकार कर दिया कि सिलिंडर नीचे रखा हुआ है और उसे ऊपर लाने में समय लगेगा।

महादेव सट्टा एप: आरोपी वकील गिरफ्तार, 15 करोड़ के लेन-देन पर पूछताछ

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप मामले में दिल्ली के वकील हिमांशु शेखर उर्फ मोहित को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसी ने आरोपी वकील को सोमवार रात 10:30 बजे रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया और सात दिन का रिमांड मांगा। बहस के बाद ईडी को 28 तारीख तक का रिमांड मिल गया। जांच में सामने आया है कि एप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर ने अपना मामला रफा-दफा कराने और अधिकारियों को साधने के लिए हिमांशु को 15 करोड़ रुपये दिए थे। जांच एजेंसी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा एप के प्रमोटर सौरभ को 13 नवंबर को रिमांड पर लिया था।

साय सरकार का जीरो टॉलरेंस नीति पर फोकस

भाजपा प्रवक्ता बोलें: 'रिश्वतखोर अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई'

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रवक्ता अमित चिमनानी ने जगदलपुर में स्टेट जीएसटी की सहायक आयुक्त और अन्य लोगों के विरुद्ध एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से की गई रंगे हाथों गिरफ्तारी की कार्रवाई पर बड़ा बयान देते हुए अधिकारियों को सख्त लहजे में कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर कार्य कर रही है। बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता प्रवक्ता चिमनानी ने कहा कि प्रदेश में सुशासन बनाये रखना साय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जीएसटी प्रकरण में राहत देने के नाम पर रिश्वतखोरी करने वाले अधिकारी और बिचौलिए के खिलाफ एसीबी की कार्रवाई स्पष्ट है कि साय सरकार में पद और प्रभाव का दुरुपयोग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्ति चाहे कितना ही रसूखदार या किसी भी पद पर क्यों न हो, उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई होगी।

मेट्रो एंकर

दोनों देशों के रिश्तों में एक बार फिर कूटनीतिक परंपरा की वापसी

नहीं टूटी रिश्तों की डोर, बालेन ने चीन से पहले चुना हिंदुस्तान

निमिष कुमार। नई दिल्ली

भारत और नेपाल के रिश्तों में एक बार फिर कूटनीतिक परंपरा की वापसी हुई है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह उर्फ बालेन शाह अपनी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा पर भारत पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर 22-23 नवंबर को हुई यह यात्रा सिर्फ दो देशों के बीच मुलाकात नहीं, बल्कि नेपाल की विदेश नीति के एक अहम संकेत के तौर पर देखी जा रही है। खास बात यह है कि नेपाल के प्रधानमंत्रियों की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा के लिए भारत को प्राथमिकता देने की परंपरा इस बार भी कायम रही है। चीन की बढ़ती कूटनीतिक सक्रियता के बीच इसे भारत के लिए अहम रणनीतिक सफलता माना जा रहा है। भारत और नेपाल के बीच शीर्ष नेतृत्व की



यात्राओं की परंपरा 1950 के दशक से चली आ रही है। तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और नेपाल के राजा महेंद्र के दौर में दोनों देशों ने उच्चस्तरीय यात्राओं में पारस्परिकता को महत्व दिया। समय के साथ नेपाल के नए प्रधानमंत्रियों की पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत से शुरू होने की परंपरा बन गई। इसकी वजह दोनों देशों के बीच खुली सीमा, ऐतिहासिक-सांस्कृतिक संबंध, व्यापार और आर्थिक निर्भरता भी रही है। हालांकि, यह परंपरा हमेशा कायम नहीं रही। अगस्त 2008 में प्रधानमंत्री बनने के बाद पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत के बजाय चीन को चुना। बाद में 2016 में केपी शर्मा ओली ने भारत का दौरा किया, लेकिन 2024 में दोबारा प्रधानमंत्री बनने पर उन्होंने पहली आधिकारिक विदेश यात्रा चीन की की। उन्होंने इसके पीछे भारत से औपचारिक निमंत्रण नहीं मिलने की बात कही थी। 2011 में झलनाथ खनाल की तुर्की यात्रा और 2021 में शेर बहादुर देउबा की ब्रिटेन यात्रा भी चर्चा में रही, लेकिन वे बहुपक्षीय आयोजनों से जुड़ी यात्राएं थीं।

बालेन शाह की यात्रा क्यों है खास?

बालेन शाह की भारत यात्रा कई मायनों में अनूठी है। 27 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद उन्होंने करीब आठ महीने तक कोई आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा नहीं की। सितंबर में वह संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में हिस्सा लेने अमेरिका जरूर गए, लेकिन वह बहुपक्षीय सम्मेलन था, किसी देश की द्विपक्षीय यात्रा नहीं। ऐसे में भारत उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा बना। इसके अलावा, बालेन शाह ने शुरुआत में विदेशी नेताओं और राजनयिकों से मुलाकात को लेकर भी सख्त रुख अपनाया था। ऐसे में उनका दिल्ली पहुंचना दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने का संकेत है। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और बालेन शाह के बीच ऊर्जा सहयोग, व्यापार, निवेश, सड़क-रेल संपर्क, बुनियादी ढांचे और सीमा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, अंतरिक्ष और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524